RAJHIN/2016/70516
Bhilwara/171/2026-2028
सच्चाई से रुबरु
# स्मार्ट हलचल
smarthalchal.com
वर्ष-10 अंक- 36 भीलवाड़ा, सोमवार, 09 मार्च 2026 पृष्ठ-04 मूल्य-04 रूपये

## खाड़ी में युद्ध की आहट, भारत की बढ़ी चिंता

### तेहरान और वाशिंगटन के बीच बढ़ता तनावः होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही ठप, कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल

▪ स्मार्ट हलचल

**नई दिल्ली** / पश्चिम एशिया (खाड़ी देशों) में भू-राजनीतिक तनाव अब एक खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते सैन्य टकराव ने न केवल अरब जगत को हि है। लाकर रख दिया है, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी संकट के बादल मंडराने लगे हैं। ताजा रिपोर्टों के अनुसार, ईरान ने अपनी समुद्री सीमाओं पर 'हाई अलर्ट' घोषित कर दिया है, जिससे फारस की खाड़ी से होने वाला व्यापारिक मार्ग पूरी तरह प्रभावित हुआ है।

#### भारत पर क्या होगा असर?

भारत के लिए यह संकट दोहरा झटका है। पहला, भारत अपनी ऊर्जा

जरूरतों का लगभग 60% हिस्सा खाड़ी देशों से आयात करता है। यदि आपूर्ति बाधित होती है, तो देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 10 से 15 प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी हो सकती है। दूसरा, सऊदी अरब, यूएई और कतर जैसे देशों में करीब 90 लाख भारतीय कार्यरत हैं। उनकी सुरक्षा को लेकर विदेश मंत्रालय ने एक उच्च स्तरीय टास्क फोर्स का गठन किया है।

#### ऑपरेशन 'वतन वापसी' की तैयारीः

सूत्रों के अनुसार, वायुसेना के सी-17 ग्लोबमास्टर विमानों को तैयार रहने को कहा गया है ताकि जरूरत पड़ने पर मस्कट और दुबई से भारतीय नागरिकों को एयरलिफ्ट किया जा सके।

पश्चिम एशिया से आ रही खबरें चिंताजनक हैं। ईरान और इजरायल-अमेरिका के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है। ताजा रिपोर्टों के अनुसार, तेहरान के पास पांच तेल ठिकानों पर मिसाइल हमले हुए हैं, जिससे तेल की वैश्विक आपूर्ति पर संकट गहरा गया है। ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी है। भारत सरकार ने खाड़ी देशों में रह रहे अपने नागरिकों के लिए 'एडवाइजरी' जारी की है और आपात स्थिति में सुरक्षित वापसी के लिए विशेष विमानों को तैयार रहने को कहा है।

## राजस्थान विशेषः समय से पहले तपने लगा मरूधरा, मार्च में 'मई' जैसा अहसास

**जयपुर** | मौसम विभाग का अलर्टः आगामी 48 घंटों में पश्चिमी राजस्थान में चलेगी भीषण लू, पिलानी और बाड़मेर में पारा 40 डिग्री के पार।

#### भीषण गर्मी का दौर शुरूः

राजस्थान में इस साल मौसम के मिजाज ने वैज्ञानिकों को भी हैरान कर दिया है। अभी मार्च का पहला सप्ताह ही बीता है और प्रदेश के कई जिलों में तापमान सामान्य से 8 से 10 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया जा रहा है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, शेखावाटी क्षेत्र के पिलानी में शनिवार को अधिकतम तापमान 40.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जो पिछले कई वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ चुका है।

#### आम जनजीवन प्रभावितः

गर्मी के कारण दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा पसरने लगा है। कृषि विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अचानक बढ़ी यह तपिश गेहूं और सरसों की कटाई के समय फसलों को नुकसान पहुंचा सकती है। स्वास्थ्य विभाग ने 'हीट स्ट्रोक' से बचने के लिए एडवाइजरी जारी की है और लोगों को दोपहर 12 से 4 बजे के बीच घर से बाहर न निकलने की सलाह दी है।

#### महिला दिवस पर रोडवेज में उमड़ी भीड़ः

तापमान की परवाह किए बिना, आज अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर राजस्थान रोडवेज की बसों में महिलाओं का हुजूम देखा गया। राज्य सरकार द्वारा मुफ्त यात्रा की घोषणा के बाद जयपुर के सिंधी कैंप और भीलवाड़ा बस स्टैंड पर अतिरिक्त बसें लगानी पड़ीं।

## टी20 वर्ल्ड कप 2026: टीम इंडिया बनी 'विश्व विजेता

### न्यूजीलैंड को फाइनल में दी पटकथा मात

खेल जगत से भारत के लिए गौरवशाली खबर आई है। आज हुए टी20 विश्व कप के रोमांचक फाइनल में भारत ने न्यूजीलैंड को हराकर खिताब अपने नाम कर लिया है। भारतीय गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन और बल्लेबाजी में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली टीम ने कीवियों को चारों खाने चित कर दिया। पूरा देश जीत के जश्न में डूबा हुआ है।

## 14 वर्षीय बेटियों के लिए मुफ्त HPV टीकाकरण

▪ स्मार्ट हलचल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज 'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' के अवसर पर देश की बेटियों के लिए एक बड़ी स्वास्थ्य पहल की शुरुआत की। उन्होंने सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए 14 वर्ष की बालिकाओं हेतु देशव्यापी मुफ्त HPV टीकाकरण अभियान को हरी झंडी दिखाई। पीएम ने कहा कि 'स्वस्थ बेटी, समृद्ध देश' के संकल्प को पूरा करने की दिशा में यह एक क्रांतिकारी कदम है।

## गंगापुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई ............

# डेलाणा गांव में गेहूं तथा जौ की फसल के अवैध रूप से बोए हुए अफीम के 8400 पौधे जाब्त किए

▪ स्मार्ट हलचल

**गंगापुर-** गंगापुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई के अनुसार डेलाणा गांव में डेलाणा से काली मगरी जाने वाले रास्ते ओर स्थिति खेत पर कार्यवाही की जहां गेहूं तथा जौ की फसल के अवैध रूप से बोए हुए अफीम के 8400

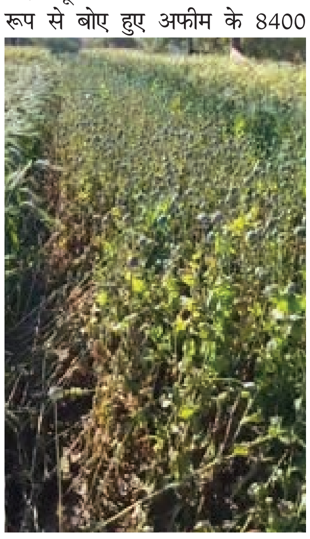

पौधे उखाड़ कर जाब्त किए गए। गंगापुर थाना प्रभारी लीलाधर मालवीय ने बताया कि थाने से गूगल लोकेशन में दूरी 10 km है घटना स्थल की तथा जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र यादव व माधव उपाध्याय आईपीएस के निर्देशन में कार्यवाही की गई। करीब 3 बीघा गैहु व जौ की खड़ी फसल के बीच मे करीब 1000 वर्ग फ़ीट एरिया में अफीम के पौधे लगाए गए। खेत मालिक नारायणलाल पिता पन्नालाल जाट निवासी डेलाणा मौके से फरार हुआ।कुल पौधे 8400 छोटे बड़े साइज में, 13 कट्टो में भरे, कुल वज़न कट्टो सहित 125.96 किलो। डेलाणा गांव में रहने वाले नारायणलाल को खेत पर पुलिस पहुंचने की सूचना मिलते ही गांव से फरार हुआ। पटवारी तथा एलआर भी राजस्व रिकॉर्ड के साथ मौके पर उपस्थित रहे। पुलिस ने NDPS एक्ट में मामला दर्ज किया। इसमे लिप्त खेत मालिक तथा अन्य भी सह खातेदारो की भूमिका की जांच की जा रही है।

## प्रशासन की अनदेखी,खुले में पेट्रोल बिक्री

# खुलेआम बिक रहा पेट्रोल-डीजल,हादसे के इंतजार में प्रशासन?

▪ स्मार्ट हलचल

**मंगरोप** । ।पेट्रोल और डीजल अत्यंत ज्वलनशील पदार्थों की श्रेणी में आते हैं,जिनकी बिक्री केवल लाइसेंसधारी पेट्रोल पंपों पर ही की जा सकती है।इसके बावजूद मंगरोप कस्बे सहित आसपास के कई ग्रामीण क्षेत्रों में परचूनी दुकानों पर खुलेआम पेट्रोल-डीजल बेचा जा रहा है।कस्बे में एक-दो नहीं बल्कि एक दर्जन से अधिक स्थानों पर बोतलों और डिब्बों में पेट्रोल की धड़ल्ले से बिक्री की जा रही है,जिससे कभी भी बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है।जानकारी के अनुसार कई छोटी दुकानों पर पेट्रोल प्लास्टिक की बोतलों और कैनों में भरकर बेचा जा रहा है।इन दुकानों के आसपास आवासीय क्षेत्र होने के कारण आग लगने या विस्फोट जैसी घटना होने पर बड़ा नुकसान हो सकता है।स्थानीय लोगों का कहना है कि इस अवैध बिक्री की जानकारी पुलिस और प्रशासन को भी है,लेकिन इसके बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है।गौरतलब है कि पूर्व में कस्बे के माता के मंड के समीप स्थित एक खेत में डीजल के बड़े भंडारण में भीषण आग लगने की घटना सामने आ चुकी है,जिसमें

बड़ा हादसा होते-होते टल गया था।इस घटना के बाद भी प्रशासन ने सबक नहीं लिया और कस्बे में खुलेआम हो रही पेट्रोल-डीजल की बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए गए।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि ज्वलनशील पदार्थों की इस तरह खुले में बिक्री न केवल कानून के खिलाफ है बल्कि आमजन की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा है।यदि समय रहते प्रशासन ने सख्त कार्रवाई नहीं की तो किसी भी दिन बड़ी दुर्घटना हो सकती है। लोगों ने जिला प्रशासन और पुलिस से मांग की है कि कस्बे में अवैध रूप से पेट्रोल-डीजल बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और इस खतरनाक कारोबार पर तुरंत रोक लगाई जाए,ताकि संभावित हादसों से बचा जा सके।

# 10 विशेष टीमों की एनडीपीएस एक्ट में फरार अपराधियो के खिलाफ बड़ी कार्यवाही, विभिन्न थानों के 28 ईनामी वांछित गिरफ्तार

▪ स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा** । भीलवाडा पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत वांछित अपराधियों की धरपकड के लिए बड़ी कार्यवाही को अंजाम दिया इसके लिए विशेष अभियान के दौरान एनडीपीएस एक्ट के वांछित अपराधियों की धरपकड हेतु अन्तराज्य एवं राज्य स्तरीय 10 विशेष टीमों का किया । अभियान के दौरान गठित टीमों द्वारा विभिन्न थानों के प्रकरणों में वांछित 28 ईनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है । आरोपियों में से 1 पर 15 हजार रु, 9 आरोपियों पर 10-10 हजार रूपये और 14 आरोपियों पर 5-5 हजार रु की ईनाम राशी घोषित थी । एसपी धर्मेन्द्र सिंह द्वारा एनडीपीएस अधिनियम के तहत जिला भीलवाड़ा में लम्बी अवधि से राज्य के विभिन्न जिलों और अन्य

राज्यों में वांछितों के खिलाफ पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार आरोपियों की धरपकड़ के लिए एएसपी पारस जैन भीलवाड़ा के नेतृत्व में और राजुराम काला पुलिस निरीक्षक के पर्यवेक्षण में 10 टीमों का गठन किया और अभियान की शुरूआत की गई। जिसके तहत कुल 28 एनडीपीएस एक्ट के तस्करों को गिरफ्तार किया गया।

### पुलिस टीम द्वारा की गई कार्यवही

पुलिस मुख्यालय से प्राप्त निर्देशों के क्रम में मादक पदार्थ की वाणिज्यिक मात्रा में तस्करी एवं स्पलाई कर फरार अपराधी जो जिला भीलवाड़ा में, राजस्थान के अन्य जिलो व अन्य राज्यों में निवासरत् है, उनकी गिरफ्तारी हेतु दिनांक 18.02.2026 से विशेष अभियान चलाया गया। जिसमें भीलवाडा पुलिस की 10 विशेष टीमों का गठन किया गया । सुपरविजन अधिकारी राजुराम काला पुलिस निरीक्षक को नियुक्त किया गया था। अभियान में टीमों के गोपनीय मानवीय आसूचना संकलन व तकनीकी सहयोग के लिए पर्यवेक्षणीय अधिकारी व साईबर सैल को मनोनित किया गया। उक्त अभियान के दौरान टीमों द्वारा अलग-अलग जिलों व राज्यों से कुल 28 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। जिनमें से 14 पर 5-5 हजार, 9 पर 10-10 हजार, व 1 पर 15 हजार रूपये का ईनाम घोषित था। जिन्हे अभियान के दोरान गिरफतार किया गया है। उक्त अभियान निरन्तर जारी रहेगा।

### पुलिस टीम में ये शामिल रहे

राजुराम काला पुलिस निरीक्षक (विशेष योगदान-गोपनीय मानवीय आसूचना संकलन), आशीष कुमार स.उ.नि., महिपाल स.उ.नि. नेतराम स.उ.नि., अर्जुन सिंह स.उ.नि., सांवरमल, धमेन्द्र सिंह स.उ.नि. उमराव अली स.उ.नि., एचसी गिरधारी, सतीश मीणा, उषाराम, जितेन्द्र सिंह, किशोर, राधेश्याम,पिन्टू कुमार, हेमन्त शामिल थे ।

# चोरी छिपे अफीम की खेती करने वाले आरोपी को दबोचा, अवैध अफीम और पौधे जप्त

▪ स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा** । करेड़ा पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ अफीम को अपने कब्जे में रखने एवं अफीम की खेती करने पर एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 103 ग्राम अफीम व 294 अफीम के पौधे जिनका वजन 16 किलो 300 ग्राम को जप्त किया । अवैध मादक पदार्थ की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत करीबन एक लाख तैतींस हजार रूपये हैं। पुलिस ने आरोपी श्याम लाल भील को गिरफ्तार किया है और मामले की जांच कर रही है । एसपी धर्मेन्द्र सिंह द्वारा जिले मे मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ कार्यवाही एवं आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु बुद्धराज अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सहाडा के निर्देशन में व ओमप्रकाश वृत्ताधिकारी वृत आसीन्द के सुपरविजन में थानाप्रभारी पुरणमल के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ कार्यवाही एवं आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी

नियंत्रण व रोकथाम हेतु मुखबिर से सुचना ली और ग्राम केमरी में खेत पर दबिश देकर एक आरोपी को अवैध मादक पदार्थ अफीम जिनका वजन 103 ग्राम को अपने कब्जे में रखने व अवैध मादक पदार्थ अफीम की खेती करने पर 294 अफीम के पौधे जिनका वजन 16 किलो 300 ग्राम को जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है । जिसके खिलाफ 8/18 एनडीपीएस एक्ट की धाराओं के तहत प्रकरण पंजिबद्ध किया गया। पुलिस टीम में थानाप्रभारी के साथ कांस्टेबल जितेन्द्र सिंह, प्रदीप कुमार, राकेश, राकेश, मुकेश, कैलशचंद्र शामिल थे । वही श्याम लाल पिता हेमाराम भील उम्र 40 साल निवासी केमरी, आमदला पुलिस थाना करेडा जिला भीलवाडा को गिरफ्तार किया ।

# एमवाईएम स्ट्राइकर्स ने जीता अरिहंत प्रीमियर लीग सीजन-7 का खिताब

▪ स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा** । श्री महावीर युवक मंडल सेवा संस्थान के तत्वावधान में आयोजित अरिहंत प्रीमियर लीग सीजन-7 का फाइनल मुकाबला आज रविवार सुबह महावीर स्कूल ग्राउंड, शास्त्री नगर में खेला गया। रोमांचक मुकाबले में एमवाईएम स्ट्राइकर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। मंडल अध्यक्ष पंकज लालानी, मंत्री मनीष बड़ोला ने बताया की फाइनल मैच से पूर्व जिले के सांसद दामोदर अग्रवाल ने मैदान पर पहुंचकर दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और टॉस करवाया। फाइनल मुकाबला टीम कप्तान रोहित सामर और जयप्रकाश आंचलिया (जेपी) के बीच खेला गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए स्टार्स टीम ने 95 रन का लक्ष्य रखा। स्ट्राइकर्स टीम ने शानदार फील्डिंग के दम पर स्टार्स को सीमित स्कोर पर रोक दिया। जवाब में स्ट्राइकर्स टीम ने दो विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया और अंत में छक्का लगाकर जीत दर्ज की। फाइनल मैच में सौरभ कोठारी को दो

महत्वपूर्ण विकेट लेने पर मैन ऑफ द मैच चुना गया। पूरी प्रतियोगिता में कुल 21 लीग मैच, दो सेमीफाइनल और एक फाइनल मुकाबला खेला गया। प्रतियोगिता में मैन ऑफ द सीरीज हर्षल पोखरना, बेस्ट बैट्समैन प्रियांश पोखरना और बेस्ट बॉलर आकाश आंचलिया रहे। विजेता और उपविजेता टीम के सभी खिलाड़ियों को ट्रॉफी एवं मेडल प्रदान किए गए। समापन समारोह में मीठालाल, यश सिंघवी, राहुल, अर्पित चौधरी, विनोद सिंघवी, वैभव पानगड़िया, पंकज चिपड़, प्रकाश, प्रदीप पारख, हुकमीचंद खटोड़, बाबूलाल, पियूष सूर्या, पियूष लोढ़ा, अंशुल लोढ़ा, मनोहर लाल सूर्या सहित सभी टीमों के प्रायोजक एवं शांति भवन के संरक्षक नवरतन मल बंब, अध्यक्ष राजेंद्र चिपड़, मंत्री नवरतनमल भलावत, कंवरलाल सूर्या, सुशील चपलोत, पंकज सूर्या, अजय चौरडिया, रवि सिंघवी, अरविंद सांड, राजेंद्र बंटू सिंघवी, मनीष सेठी सहित शहर के कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। संस्थान के संरक्षक बाबूलाल सूर्या, अध्यक्ष पंकज लालानी, उपाध्यक्ष अतुल बाफना, मंत्री मनीष बडोला, सहमंत्री राजकुमार लोढ़ा, कोषाध्यक्ष मुकुल सूर्या तथा संयोजक आशीष चौधरी, अनुराग नाहर, अभिषेक खजांची और आशीष लुकड़ ने टूर्नामेंट के सफल आयोजन में सहयोग करने वाले सभी सदस्यों, खिलाड़ियों और प्रायोजकों का आभार व्यक्त किया।

# अफीम दुध के साथ तीन गिरफ्तार, कार जप्त

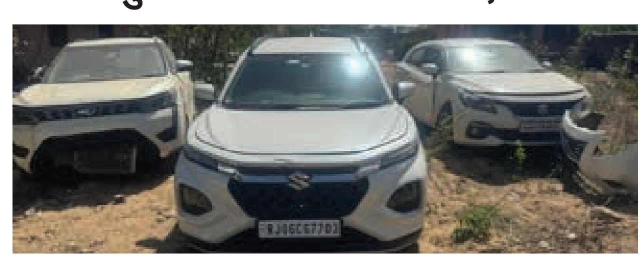

▪ स्मार्ट हलचल

**सवाईपुर** / चौकी के बाहर शनिवार मध्यरात्रि को जिला स्पेशल टीम व बड़लियास पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक कार से अवैध अफीम के दूध साथ तीन जनों को गिरफ्तार कर कार को जप्त किया । थाना प्रभारी मन्नीराम चोयल ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक के आदेशानुसार चलाए जा रहे अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ धरपकड़ अभियान के तहत शनिवार मध्यरात्रि को डीएसटी टीम में सूचना दी की एक संदिग्ध कार सवाईपुर की तरफ आ रही, इस पर पुलिस ने सवाईपुर चौकी के बाहर नाकाबंदी लगाई, इस दौरान मांडलगढ़ की तरफ से आई एक कार को रुकवाकर, उसकी तलाशी ली तो उसमें 266 ग्राम अफीम का दूध मिला, इस पर पुलिस ने अफीम के दूध के साथ फुलिया कला थाना क्षेत्र के रमेश पिता भवर खाती उम्र 28 वर्ष निवासी कनेछन कला, नारायण पिता सोनाथ गुर्जर उम्र 36 वर्ष निवासी श्रीनगर, अरनिया घोड़ा व जगदीश पिता रामदेव गुर्जर उम्र 30 वर्ष निवासी आमली कालू सिंह को गिरफ्तार कर कार को जप्त किया । वहीं प्रकरण दर्ज कर जांच बिगोद थाना प्रभारी जय सुल्तान को सौपी ।।

**ये रही पुलिस की टीम** - थाना प्रभारी मुनीराम चोयल, कांस्टेबल विनोद कुमार गढ़वाल, राजेंद्र कुमार मीणा, अशोक कुमार, संदीप कुमार, श्रवण कुमार, डीएसटी कांस्टेबल मुकेश कुमार आदि शामिल थे ।

# वैष्णव समाज ने सौंपा ज्ञापन, OBC सूची में 'वैष्णव' नाम जोड़ने की मांग

▪ स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा /** शाहपुरा और फुलिया कलां के वैष्णव समाज के वरिष्ठ पंडितों और प्रतिनिधियों ने विधानसभा क्षेत्र के विधायक लालाराम बैरवा से भेंट की और राजस्थान की OBC सूची में अपने समुदाय का नाम "वैष्णव" दर्ज कराने हेतु ज्ञापन सौंपा। समाज ने विधायक से आग्रह किया कि वे इस मुद्दे का संज्ञान लें और इसे विधानसभा में उठाएँ, ताकि समाज के युवाओं और परिवारों को शिक्षा, आरक्षण और सरकारी योजनाओं में लाभ मिल सके। ज्ञापन में कहा गया कि राजस्थान का वैष्णव समाज पीढ़ियों से धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय रहा है। यह समाज मुख्यतः भगवान विष्णु और उनके अवतारों की उपासना, मंदिरों में पूजा-पाठ, धार्मिक कर्मकांड संचालन, भजन-कीर्तन, यज्ञ और सामाजिक मार्गदर्शन जैसे कार्यों में निरंतर योगदान देता रहा है। समाज की प्रमुख उपजातियाँ बैरागी, साध, साधु और स्वामी हैं। समाज ने बताया कि लगभग 75 प्रतिशत लोग अपने नाम के साथ 'वैष्णव' शब्द का प्रयोग करते हैं, जबकि उपनाम जैसे बैरागी, साध, साधु और स्वामी के प्रमाणित दस्तावेज बहुत कम लोगों के पास हैं। इस कारण, OBC सूची में केवल 'बैरागी' नाम दर्ज होने के कारण समाज के अधिकांश सदस्य और उनके परिवार शिक्षा, स्कूल और कॉलेज प्रवेश, सरकारी योजनाओं और केंद्रीय तथा राज्य नौकरियों में आरक्षण का लाभ लेने में अड़चन का सामना कर रहे हैं। ज्ञापन में यह भी बताया गया कि कई पुजारी और धार्मिक कर्मकांड संचालक भूमि और धोली भूमि के दस्तावेज नहीं रखते, क्योंकि यह भूमि केवल भगवान की सेवा के लिए उपयोग होती है और व्यक्तिगत संपत्ति नहीं मानी जाती। ऐसे मामलों में प्रमाणित दस्तावेजों के अभाव से समाज के सदस्यों को प्रशासनिक प्रक्रिया में अड़चन का सामना करना पड़ता है। समाज ने कहा कि इससे समाज के युवाओं को शिक्षा और आरक्षण में लाभ नहीं मिल पा रहा है, पुजारी और धार्मिक सेवक सरकारी योजनाओं और सामाजिक कल्याण सुविधाओं से वंचित रह रहे हैं और समाज की धार्मिक-सांस्कृतिक पहचान दस्तावेजों में सही रूप से दर्ज नहीं हो पा रही है। इसके चलते बच्चों के प्रमाण-पत्र, प्रवेश और भविष्य सुरक्षित करने में गंभीर बाधाएँ उत्पन्न हो रही हैं। समाज के प्रतिनिधियों ने विधायक से विशेष रूप से OBC सूची में 'वैष्णव' नाम जोड़ने और इस मुद्दे को विधानसभा में उठाने की मांग की है, ताकि समाज की पहचान सुरक्षित हो और भविष्य में शिक्षा, आरक्षण और सरकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित किया जा सके। समाज के वरिष्ठ पंडितों और प्रतिनिधियों ने इस अवसर पर विधायक से आग्रह किया कि वे इस मुद्दे पर शीघ्र कार्रवाई करें और समाज के सभी सदस्यों की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करें।ज्ञापन में वैष्णव समाज तहसील अध्यक्ष ओम प्रकाश वैष्णव रघुराजपुरा, नगर अध्यक्ष देवेंद्र वैष्णव, मिश्री दास वैष्णव, सत्यनारायण वैष्णव प्रतापपुरा, महावीर वैष्णव, किशन वैष्णव खामोर, बसंत वैष्णव, चीनू वैष्णव, मोनू राज वैष्णव सहित समाज के लोग उपस्थित रहे।

## डेढ़ सौ साल पुरानी आस्था खंडहर में तब्दील

# इंद्रासन महादेव मंदिर जर्जर हालत में, ग्रामीणों ने संरक्षण की उठाई मांग

▪ स्मार्ट हलचल

**मंगरोप/** ।कस्बे के झोपड़ियां रोड पर स्थित करीब डेढ़ सौ साल पुराना इंद्रासन महादेव मंदिर आज उपेक्षा के कारण खंडहर में तब्दील होता जा रहा है।वर्षों से क्षेत्र की आस्था का केंद्र रहा यह प्राचीन मंदिर अब जर्जर अवस्था में पहुंच चुका है,जिससे श्रद्धालुओं और ग्रामीणों में चिंता का माहौल है।मंदिर के पुजारी बालमुकुंद शर्मा ने बताया कि झोपड़ियां रोड पर धरातल से लगभग 100 फीट ऊंचाई पर स्थित मनमोहक इंद्रासन महादेव मंदिर करीब 150 वर्षों से आंधी-तूफान और बरसात का सामना करता आया है।समय के साथ मंदिर की दीवारें और ढांचा कमजोर हो गया है,जिससे इसके गिरने का खतरा भी बना हुआ है।उन्होंने बताया कि मंदिर की मरम्मत और संरक्षण को लेकर कई बार शासन-प्रशासन को अवगत कराया गया,लेकिन संबंधित विभाग मंदिर के वन क्षेत्र में स्थित होने का हवाला देकर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेते हैं। इधर ग्रामीण सत्यनारायण किर,गोपाल गुर्जर,कन्हैयालाल कीर और भगवती लाल कीर का कहना है कि यह मंदिर क्षेत्र की धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है।यदि समय रहते इसके संरक्षण की पहल नहीं की गई तो आने वाले समय में यह ऐतिहासिक धरोहर पूरी तरह नष्ट हो सकती है।ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मंदिर की स्थिति का जल्द सर्वे करवाकर उसके संरक्षण और पुनर्निर्माण के लिए ठोस कदम उठाए जाएं,ताकि क्षेत्र की इस प्राचीन आस्था और धार्मिक विरासत को सुरक्षित रखा जा सके।

# रामस्नेही सम्प्रदाय के पीठाधीश्वर आचार्य रामदयाल जी महाराज का चातुर्मास भीलवाड़ा में,अभिजीत मुहूर्त में हुई घोषणा,260 वा महोत्सव सम्पन्न

▪ स्मार्ट हलचल

**शाहपुरा**-रामस्नेही सम्प्रदाय के पीठाधीश्वर आचार्य श्री रामदयाल जी महाराज का आगामी चातुर्मास इस वर्ष भीलवाड़ा में होगा।इसकी घोषणा आज अभिजीत मुहूर्त में विधिवत रूप से की गई।जैसे ही चातुर्मास की घोषणा हुई,अनुरागियों एवं श्रद्धालुओं में खुशी की लहर दौड़ गई।अशोक अजमेरा को गोटका जी दिया गया।घोषणा के दौरान संत-महात्माओं,सम्प्रदाय के पदाधिकारियों और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही।भक्तो ने आचार्य श्री के चातुर्मास भीलवाड़ा में होने को क्षेत्र के लिए आध्यात्मिक सौभाग्य बताया।श्रद्धालुओं का

कहना है की आचार्य श्री के सान्निध्य में चातुर्मास के दौरान धार्मिक प्रवचन,सत्संग,भजन-कीर्तन और विभिन्न आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे,जिससे क्षेत्र में धर्म और संस्कृति का वातावरण और मजबूत होगा।इसी के साथ रामस्नेही सम्प्रदाय का 260 वा महोत्सव भी विधिवत रूप से सम्पन्न हो गया।महोत्सव के दौरान कई कार्यक्रम आयोजित किए गए,जिनमे बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्म लाभ प्राप्त किया।आयोजको ने बताया कि चातुर्मास के दौरान भीलवाड़ा में देशभर से संत-महात्मा और श्रद्धालु पहुचेंगे,जिससे शहर में धार्मिक माहौल रहेगा और विभिन्न आध्यात्मिक आयोजन की श्रंखला चलेगी।

# गर्ग ब्राह्मण समाज की बैठक आयोजित, राधा-कृष्ण मंदिर निर्माण पर सहमति

▪ स्मार्ट हलचल

**मोड़ का निंबाहेड़ा** । झरना महादेव मंदिर परिसर में गर्ग ब्राह्मण समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता गोपाल गर्ग निवासी खारड़ा ने की। बैठक में समाज से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा कर सर्वसम्मति से निर्णय लिए गए।

बैठक की शुरुआत समाज के सभी उपस्थित सदस्यों द्वारा अपना-अपना परिचय देने से हुई, जिसमें सभी ने अपने नाम और ग्राम की जानकारी साझा की। इसके बाद मंदिर परिसर में नियमित रूप से साफ-सफाई करवाने के प्रस्ताव को रखा गया, जिस पर सभी सदस्यों ने सहमति जताते हुए सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने का निर्णय लिया। बैठक के दौरान शिवलाल गर्ग मोड़ का निंबाहेड़ा ने समाज के समक्ष झरना महादेव परिसर में राधा-कृष्ण मंदिर निर्माण का प्रस्ताव रखा। इस प्रस्ताव को सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से स्वीकार किया तथा मंदिर निर्माण के लिए शिलान्यास का समय निर्धारित करने का निर्णय लिया गया।

साथ ही समाज के सामाजिक कार्यक्रमों जैसे शादी, मुंडन, प्रसादी, मायरा, गृह प्रवेश, गंगा प्रसादी आदि आयोजनों में झरना महादेव मंदिर निर्माण के लिए एक निश्चित राशि निकालने का भी निर्णय लिया गया, जिससे मंदिर विकास कार्यों में सहयोग मिल सके।

मंदिर निर्माण के लिए रसीद बुक प्रिंट करवाने का प्रस्ताव भी सर्वसम्मति से पारित किया गया। आगामी बैठक में मंदिर निर्माण के लिए एक समिति गठित करने का निर्णय लिया गया, जो निर्माण कार्य और व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संभालेगी।

बैठक में यह भी तय किया गया कि अब से हर माह के अंतिम रविवार को नियमित बैठक आयोजित की जाएगी। समाज के सभी सदस्यों को समय पर सूचना देने के लिए एक समिति का गठन भी किया जाएगा। अंत में समाज के विकास और एकता को मजबूत करने पर जोर देते हुए निर्णय लिया गया कि सभी सदस्य आपसी मनमुटाव को दरकिनार कर समाज के विकास कार्यों को प्राथमिकता देंगे। मीटिंग में पूरे भीलवाड़ा जिले के सैकड़ों समाजजन शामिल हुवे ।

# लाडपुरा में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में महिलाओं ने मनाया फागोत्सव,खेली फूलों की होली

▪ स्मार्ट हलचल

### फागोत्सव की धूमः कान्हा के भजनों पर थिरकीं मातृशक्ति, उड़ा गुलाल

**लाडपुरा/** कस्बे में स्थित सामुदायिक भवन में शनिवार रात्रि में फागोत्सव महिला मंडल द्वारा मनाया गया। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में महिला मंडल के तत्वावधान में फागोत्सव का आयोजन उत्साह और उमंग के साथ किया गया। इस अवसर पर आयोजित फागोत्सव में महिलाओं ने पारंपरिक फाग गीतों की प्रस्तुति देते हुए उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं ने आपसी भाईचारे, महिला शक्ति के सम्मान और सामाजिक एकता का संदेश दिया। रंग-बिरंगे परिधानों में सजी महिलाओं ने फाग गीतों के साथ नृत्य कर कार्यक्रम को आनंदमय बना दिया और महिला दिवस की खुशियां साझा की। कार्यक्रम में कस्बे की विभिन्न सामाजिक एवं

महिला संगठनों से जुड़ी अनेक महिलाएं उपस्थित रहीं। सभी ने महिला दिवस को उत्साह और उमंग के साथ मनाते हुए समाज में महिलाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। जिससे कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम के तहत महिलाओं ने फूलों से होली खेल उत्सव को मनोरंजक बनाया। जिसके अंतर्गत महिलाओं ने फाग गीत गाते हुए गुलाल व फूलों से होली खेलकर एक दूसरों को होली पर्व अग्रिम शुभकामनाएं दी तथा सामूहिक फाग गीत गाए। फाल्गुन माह में आयोजित होने वाला फाग महोत्सव वसंत ऋतु के आगमन और राधा-कृष्ण के प्रेम का जश्न है। यह उत्सव फाल्गुन पूर्णिमा के आसपास, विशेषकर होली के बाद के दिनों में फूलों, गुलाल, और पारंपरिक भजनों (फाग गीतों) के साथ मनाया जाता है। पौराणिक महत्व के अनुसार फाल्गुन माह में भगवान कृष्ण ने राधा जी और गोपियों के साथ होली खेली थी, इसलिए इस माह में फाग उत्सव की विशेष परंपरा है। फाग महोत्सव में लोक गीत, नृत्य और राधा-कृष्ण की विशेष पूजा शामिल होती है। इस दौरान मंदिरों में फूलों की होली खेली जाती है और फाग के लोकगीत गाकर महिलाएं एक-दूसरे को रंग गुलाल लगाते हैं। यह त्यौहार न केवल रंगों का खेल है, बल्कि यह आपसी प्रेम, सौहार्द और सांस्कृतिक एकता का भी प्रतीक है।

# चित्तौड़गढ़ में मातृशक्ति का 'महादान': महिला दिवस पर 187 यूनिट रक्त संग्रह, 400 ने कराया पंजीयन

## ATBF के शिविर में मां-बेटी, सास-बहू और सहेलियों ने पेश की मिसाल; 18वें जन्मदिन पर युवती ने किया पहला रक्तदान, सेल्फी पॉइंट बना आकर्षण

▪ स्मार्ट हलचल

**चित्तौड़गढ़।** अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को शहर में महिला सशक्तिकरण और सेवा भावना का अद्भुत संगम देखने को मिला। आचार्य तुलसी बहुउद्देशीय फाउंडेशन (एटीबीएफ) के तत्वावधान में नगर अध्यक्ष पूर्णिमा मेहता के नेतृत्व में महिलाओं के लिए एक विशेष रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। महाराणा प्रताप सेतु मार्ग स्थित खरडिया महादेव मंदिर परिसर में आयोजित इस शिविर में महिलाओं ने भारी उत्साह के साथ भाग लिया और 187 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया।

**30 प्रतिशत महिलाओं में हीमोग्लोबिन की कमी**

शिविर के प्रति महिलाओं का उत्साह इस कदर था कि 400 से अधिक महिलाओं ने रक्तदान के लिए अपना पंजीयन कराया। हालांकि, स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान लगभग 30 प्रतिशत से अधिक महिलाओं का हीमोग्लोबिन कम पाए जाने के कारण उन्हें रक्तदान की अनुमति नहीं दी गई और स्वास्थ्य सुधारने की सलाह दी गई।

**पहली रक्तदाता बनीं हेमलता, 18वें जन्मदिन पर रीना ने किया दानः**

शिविर का शुभारंभ सुबह 10 बजे हेमलता पुंगलिया के प्रथम रक्तदान के साथ हुआ। इसके बाद महिलाओं की लंबी कतारें लग गईं। शिविर में एक बेहद सुखद तस्वीर तब सामने आई जब रीना व्यास ने अपने 18वें जन्मदिन के अवसर पर जीवन का पहला रक्तदान कर समाज को एक नया संदेश दिया।

**रिश्तों ने पेश की अनूठी मिसालः**

इस आयोजन में पारिवारिक और सामाजिक रिश्तों की खूबसूरत झलक देखने को मिली।

**मां-बेटीः** कृति सोमानी ने अपनी माता स्नेहलता सोमानी (छठी बार) के साथ, अनामिका जैन और रानी जैन ने, तथा शिप्रा श्रीमाल व रिषिता श्रीमाल ने एक साथ रक्तदान किया।

**सास-बहूः** आशा ईणानी अपनी बहुओं प्रियंका और खुशबू के साथ, वहीं प्रेम वैष्णव अपनी बहू शालिनी के साथ रक्तदान करने पहुंचीं।

**सहेलियांः** प्राप्ति जैन, खुशी भंडारी, डिम्पल सुराणा, दीक्षिता सुराणा और आरुषि आचार्य की पांच सहेलियों की टोली ने एक साथ रक्तदान कर मित्रता को सेवा से जोड़ा।

**पति-पत्नी व अन्यः** विजित और निधि जैन ने एक साथ, जबकि ध्रुव वाजपेई ने अपनी मां नमिता वाजपेई के साथ रक्तदान किया।

नियमित रक्तदाताओं का सम्मानः रक्तदान के क्षेत्र में कई महिलाओं ने कीर्तिमान स्थापित किए हैं। पारुल बसेर ने 42वीं बार, उमा शर्मा ने 28वीं बार, रीना काबरा ने 18वीं बार और शिप्रा श्रीमाल ने 17वीं बार रक्तदान कर एक अनुकरणीय उदाहरण पेश किया। महिला पुलिस कांस्टेबल तनु जाट ने 5वीं और जतन पलोड़ ने पहली बार रक्तदान किया।

**इनकी रही विशेष उपस्थिति और सहयोगः**

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मोनोमार्क इंजीनियरिंग की चेयरपर्सन मीना नरेंद्र चोरड़िया और पूर्व प्रधान देवेंद्र कंवर ने किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में शोभना चोरड़िया और सैनिक स्कूल की वाइस प्रिंसिपल कर्नल पारुल श्रीवास्तव उपस्थित रहीं। एटीबीएफ के संस्थापक सुनील ढीलीवाल के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर का संचालन पूरी तरह महिला टीम द्वारा किया गया। जिला चिकित्सालय की टीम ने डॉ. रोहित धाकड़ के नेतृत्व में रक्त संग्रह किया।

# लाडपुरा में चारभुजानाथ मंदिर प्रांगण में गैर नृत्य की धूम

▪ स्मार्ट हलचल

**लाडपुरा** / कस्बे के चारभुजानाथ मंदिर प्रांगण में पारंपरिक गैर नृत्य का आयोजन किया गया। इसमें ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। ढोल-नगाड़ों की थाप पर युवाओं और पुरुषों ने गोल घेरा बनाकर गैर नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम को देखने के लिए ग्रामीण मौजूद रहे। फाग गीतों और ढोल की थाप से पूरा परिसर भक्ति में रंग गया। मंदिर परिसर में गेर नृत्य की धूम मची हुई है! यह एक पारंपरिक और सांस्कृतिक आयोजन है, जिसमें ग्रामीण बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं। मंदिर परिसर तो भक्ति के रंगों से गूंज उठा। गैर नृत्य की धूम तो वाकई देखने व ग्रामीणों का उत्साह और ढोल-नगाड़ों की थाप पर नाचते युवाओं की जोड़ी।

# 100 वर्ष की नारायणी बाई के जज़्बे को महिला दिवस पर मिला सम्मान

▪ स्मार्ट हलचल

**रज़ा एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी ने किया अभिनंदन**

**निंबाहेड़ा** /अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रज़ा एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी की ओर से रविवार को सोसाइटी कार्यालय पर एक प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम देश की सभी महिलाओं को समर्पित होने के साथ-साथ निंबाहेड़ा की लगभग 100 वर्षीया बुजुर्ग महिला नारायणी बाई के अदम्य साहस और परिश्रम को सम्मानित करने के उद्देश्य से रखा गया।

नारायणी बाई लंबे समय से निंबाहेड़ा की रज़ा कॉलोनी में निवास कर रही हैं। उल्लेखनीय है कि लगभग सौ वर्ष की आयु में भी वे आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश करते हुए प्रतिदिन सुबह जल्दी उठकर रचका तैयार करती हैं और उसे अपनी ठेलागाड़ी में रखकर स्वयं ठेलागाड़ी चलाते हुए सावंतसिंह चौराहे तक पहुंचती हैं। वहां दिनभर रचका बेचने के बाद शाम को वापस अपने घर लौट जाती हैं।

आज के दौर में जहां युवा वर्ग भी कभी-कभी मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण अपने कार्य का समय बदल लेते हैं, वहीं नारायणी बाई का हौसला और जज़्बा सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। भीषण गर्मी, कड़ाके की सर्दी या तेज बारिश— किसी भी परिस्थिति में उन्होंने अपने रोजमर्रा के कार्य में कभी विराम नहीं दिया। प्रतिदिन सुबह लगभग पांच बजे ठेलागाड़ी में सामान लेकर निकलना उनकी दिनचर्या का हिस्सा बन चुका है। नारायणी बाई के इसी अदम्य साहस और आत्मनिर्भरता को सम्मान देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में रज़ा कॉलोनी सहित निंबाहेड़ा क्षेत्र की कई महिलाओं और पुरुषों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने माल्यार्पण कर नारायणी बाई का सम्मान किया और उनके दीर्घायु जीवन तथा स्वास्थ्य की कामना की।

इस अवसर पर रज़ा एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष हाजी मोहम्मद फारूक ने सोसाइटी की ओर से नारायणी बाई को विजय स्तम्भ की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में सोसाइटी के सभी सदस्य भी मौजूद रहे और सभी ने उनके जज़्बे को सलाम किया।

कार्यक्रम के दौरान आपसी भाईचारे और सामाजिक सौहार्द का भी अनूठा दृश्य देखने को मिला। विभिन्न समुदायों के लोगों की सहभागिता ने देश की गंगा-जमुनी तहजीब और सामाजिक एकता की भावना को साकार रूप में प्रस्तुत किया। इस अवसर पर आमिर अनवर, अहमद खान, राशिद खान, रमजान खान शबनम खान, अनीस परवीन, रुखसार खान रईसा बी इत्यादि मौजूद रहे।

# विधायक आक्या के होली मिलन समारोह में उमड़ा हजारो की संख्या में जन सैलाब

▪ स्मार्ट हलचल

**गोकुल शर्मा के भजनों पर खूब झूमे लोगर**

**शंभुपुरा।** चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभान सिंह आक्या द्वारा रविवार को विधानसभा क्षेत्रवासियो के लिए आयोजित होली मिलन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जन सैलाब उमड़ा। गोपाल पुरूषोतम आश्रम बडीसादडी के पीठाधीश सुशदर्शनाचार्य महाराज, हजारेश्वर महादेव महंत चन्द्रभारती महाराज व विनोद यति महाराज के सानिध्य में महाराणा प्रताप सेतु मार्ग स्थित श्रीनाथ गार्डन में प्रातः 10 बजे से देर शाम तक चले होली मिलन कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष नाहरसिंह जोधा, मंत्री गोतम दक, पूर्व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष व सांसद सीपी जोशी, पूर्व यूडीएच मंत्री व निम्बाहेड़ा विधायक श्रीचंद कृपलानी, अर्जुनलाल जीनगर, भाजपा जिलाध्यक्ष रतनलाल गाडरी, भूमि विकास बैंक चेयरमेन बद्रीलाल जाट, पूर्व विधायक अशोक नवलखा, गजपाल सिह उदयपुर, प्रमोद सामर, हेमेन्द्र सिंह, प्रधान सुशीला कंवर, पूर्व जिला प्रमुख सुशीला जीनगर ने शामिल होकर विधायक आक्या व क्षेत्रवासियो को होली व नववर्ष की बधाई दी। विधायक आक्या ने समस्त अतिथियों का उपरना ओढाकर स्वागत किया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या मे पार्टी पदाधिकारियो, विभिन्न समाजो के प्रतिनिधियो व कार्यकर्ताओ ने उल्लास भरे माहोल में विधायक आक्या व एक दूसरे के साथ फूलों की होली खेलते हुए बधाईयां दी।

समारोह स्थल श्रीनाथ गार्डन में एक बड़े स्टेज पर सुप्रसीद्ध भजन गायक गोकुल शर्मा ने सब तेरा सांवरिया सेठ मेरा तो कुछ भी नही सहित अनेक भजनो की मनमोहक प्रस्तुतियों से उपस्थित जनप्रतिनिधियो व आमजन को नाचने पर मजबूर कर दिया। इसके साथ ही राजस्थानी लोक कलाकारो के दल ने गंवरी नृत्य सहित अनेक आकर्षक प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों से आए पार्टी पदाधिकारियो, कार्यकर्ताओ, विभिन्न समाज, धार्मिक, व्यापारिक व महिला संगठनो के पदाधिकारीयो ने विधायक आक्या का उपरना ओढ़ाकर, साफा पहनाकर व पुष्प गुच्छ भेंटकर होली व नववर्ष की बधाईयां दी। कार्यक्रम स्थल पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की जनकल्याणकारी योजनाओ के व्यापक प्रचार प्रसार, विधानसभा चित्तौड़गढ के विकास कार्यो के बेनर लगाएं गये थे। थरमाकोल से बने सांवरिया सेठ आकर्षण का केंद्र रहे। इस अवसर पर सुशील शर्मा, सुरेश झंवर, भरत जागेटिया, प्रवीण सिंह राठौड़, रघु शर्मा, हर्षवर्धन सिंह, कैलाश मंत्री, अशोक रायका, भँवरसिह खरड़ीबावड़ी, लालचंद गुर्जर, गजेन्द्र सिंह, दिनेश शर्मा, अनील सुखवाल, हीरालाल रायका, गौरव त्यागी, अनिल ईनाणी, एडवोकेट ओमप्रकाश शर्मा, भोलाराम प्रजापत, शैलेन्द्र झंवर, कमलेश आमेरिया, नवीन पटवारी, पूरण सिंह राणा, रवि विराणी, सहित बड़ी संख्या में जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्य, विभिन्न ग्राम पंचायतो के प्रशासक, पूर्व सरपंच, वार्डपंच, पूर्व पार्षद सहित हजारो की संख्या में जनप्रतिनिधी, पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता, विभिन्न समाज, औद्योगिक, धार्मिक, व्यापारिक, महिला संगठनो के पदाधिकारी व क्षेत्रवासी उपस्थित थे।

## कंटेनर चोरी मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

# पुलिस ने एक करोड़ के एसी और दो पिकअप वाहन बरामद किए

▪ स्मार्ट हलचल

**ब्यावर।** चित्तौड़गढ़ विधायक जिले में एयर कंडीशनर से भरे एक कंटेनर की चोरी के मामले में पुलिस ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने लगभग एक करोड़ रुपये मूल्य के एयर कंडीशनर और घटना में प्रयुक्त दो पिकअप गाड़ियां भी बरामद की हैं।

यह मामला 6 मार्च 2026 को प्रकाश में आया, जब मुंडवाड़ा फुलेरा, जयपुर ग्रामीण निवासी गंगाराम चौधरी ने रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि उनके ट्रक ड्राइवर हेमंत सिंह रावत 3 मार्च को अंबाला से अहमदाबाद की ओर एयर कंडीशनर से भरा कंटेनर लेकर जा रहे थे। रास्ते में पीपलाज टोल के पास हाईवे से ट्रक और उसमें भरा माल चोरी हो गया था। इस संबंध में ब्यावर सदर पुलिस थाने में प्रकरण संख्या 68/2026 धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक रतन सिंह के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र शर्मा और वृत्ताधिकारी राजेश कसाना के सुपरविजन में ब्यावर सदर थानाधिकारी गजराज सिंह के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। टीम ने आसूचना संकलन, मुखबिर तंत्र और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों का पता लगाया और उन्हें गिरफ्तार किया।

पुलिस ने बताया कि चोरी किया गया ट्रक गुलाबपुरा से बरामद किया गया, जबकि कुल 268 नग एयर कंडीशनर अजमेर और फतेहगढ़ से जब्त किए गए। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल की गई दो पिकअप गाड़ियां भी जब्त की हैं।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान हेमंत सिंह उर्फ सन्नू पुत्र लक्ष्मण सिंह निवासी घापड़ा, थाना करेड़ा, भीलवाड़ा, नरेंद्र पुत्र जगमाल मेहरात निवासी सारणिया, थाना ब्यावर सदर, सुलेमान पुत्र भोजा मेहरात निवासी पुरानी लहरी, थाना ब्यावर सदर और अजीत पुत्र छोटू मेहरात निवासी पुरानी लहरी, थाना ब्यावर सदर के रूप में हुई है। पुलिस अन्य फरार आरोपियों की तलाश कर रही है।

# स्कूल बस ने सड़क किनारे खड़े चार दोस्तों को रौंदा, एक छात्र की मौत तीन गंभीर घायल

▪ स्मार्ट हलचल

**नारायणपुर।** थानागाजी थाना क्षेत्र के सुरजनपुर तिराहे के पास एक सड़क हादसे में 11वीं कक्षा के एक छात्र की मौत हो गई, जबकि उसके तीन दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गए। चिकित्सकों ने 16 वर्षीय अंकित कुमार पुत्र किशन लाल मीणा को मृत घोषित कर दिया। वहीं हादसे में घायल सचिन मीणा, मुरारी लाल गुर्जर और अंकित प्रजापत की हालत गंभीर होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें उच्च केंद्र के लिए रेफर कर दिया गया। पुलिस ने मृतक का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। इस संबंध में मृतक के बड़े भाई गिर्राज

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। सह. सम्पादक मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com

## महिला दिवस पर विशेष » रेशमा सोलंकी - संघर्षों से उभरी वह शख्सियत, जिसने समाजसेवा को बनाया जीवन का उद्देश्य

▪ अजीम खान चिनायटा

▪ स्मार्ट हलचल

**परिचय**

हर दौर में कुछ लोग ऐसे होते हैं, जो अपने कार्यों से समाज को नई दिशा देते हैं — और मोहतरमा रेशमा सोलंकी साहिबा ऐसी ही प्रेरणादायक शख्सियत हैं। मुस्लिम महासभा की राष्ट्रीय अध्यक्षा के रूप में उन्होंने न केवल संगठन को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है, बल्कि समाजसेवा, शिक्षा और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में एक अमिट पहचान बनाई है।

### संघर्षों से सशक्त नेतृत्व तक

मुस्लिम महासभा की नींव वर्ष 2007 मे जनाब युनुस शेख साहब और मोहतरमा रेशमा सोलंकी साहिबा के साथ अनेक समर्पित साथियों ने मिलकर बड़े जज़्बे और नेक नीयत के साथ रखी थी। इन सभी का उद्देश्य था कि समाज में तालीम, तंजीम और तिजारत को नई दिशा दी जाए ताकि आने वाली पीढ़ियाँ शिक्षित, संगठित और आत्मनिर्भर बन सकें।

आज यह संस्था अपने सामाजिक, शैक्षिक और मानवसेवा के कार्यों के लिए देशभर की कई प्रतिष्ठित तंजीमों, संस्थाओं और सामाजिक संगठनों द्वारा सम्मानित की जा चुकी है। इन सम्मानों के पीछे वर्षों की लगन, टीमवर्क और समाज के प्रति निस्वार्थ समर्पण की भावना झलकती है। यही सम्मान इस बात का प्रमाण हैं कि मुस्लिम महासभा अब केवल एक संगठन नहीं, बल्कि एक आंदोलन बन चुकी है — जो एकता, तालीम और तरक्की के मिशन को निरंतर आगे बढ़ा रही है।

लेकिन युनुस शेख साहब के असमय निधन के बाद संगठन कठिन दौर में पहुँचा। इसी चुनौतीपूर्ण समय में रेशमा सोलंकी साहिबा ने हिम्मत दिखाई और संगठन की बागडोर अपने हाथों में ली। उन्होंने सीमित साधनों में भी नई सोच, नई दिशा और नया आत्मविश्वास भर दिया। कठिनाइयों के बीच उन्होंने यह साबित किया कि सच्चे नेतृत्व की पहचान संकट में ही होती है।

### महिलाओं के लिए प्रेरणा, युवाओं के लिए मिशन

रेशमा सोलंकी साहिबा का दृढ़ विश्वास है कि शिक्षित और आत्मनिर्भर महिलाएँ ही समाज की रीढ़ होती हैं। इसी सोच के तहत उन्होंने महिला स्वावलंबन अभियान, प्रशिक्षण केंद्र, और शिक्षा सहायता शिविरों की शुरुआत की। उनकी प्रेरणा से आज सैकड़ों महिलाएँ अपने पैरों पर खड़ी होकर समाज में योगदान दे रही हैं।

उन्होंने युवाओं में तालीम और हुनर का बीज बोने का काम किया। विभिन्न राज्यों में आयोजित कार्यक्रमों में उन्होंने कहा युवाओं के हाथों में किताब और हुनर हो, तो मुल्क का भविष्य रोशन होता है।

### शिक्षा और एकता — मिशन, नारा नहीं

रेशमा सोलंकी साहिबा का सबसे बड़ा योगदान शिक्षा के क्षेत्र में है। उन्होंने मुस्लिम महासभा के माध्यम से तालीमी जागरूकता अभियान चलाए, जिनका उद्देश्य था पिछड़े इलाकों के बच्चों को पढ़ाई से जोड़ना और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को शिक्षा सहायता उपलब्ध कराना।

उन्होंने समाज में धार्मिक और सामाजिक एकता का संदेश दिया और "एकता और इल्म" के सिद्धांत को महासभा का आधार बनाया। उनका यह नारा आज संगठन की पहचान बन चुका है

एकता का राज चलेगा,
हिंदू-मुस्लिम साथ चलेगा।
आओ मिलकर इल्म को आम करें,
अपने मुल्क का दुनिया में नाम करें

### नेतृत्व की नई परिभाषा

रेशमा सोलंकी साहिबा का नेतृत्व केवल प्रबंधन तक सीमित नहीं है वह भावनात्मक जुड़ाव और सामाजिक समर्पण से भी भरा हुआ है। वे हमेशा कहती हैं कि अगर नीयत साफ़ हो और इरादा नेक, तो मुश्किलें भी रास्ता नहीं रोक पातीं। मुस्लिम महासभा मेरे लिए कोई संस्था नहीं, बल्कि समाज उत्थान का मिशन है।

उनके मार्गदर्शन में आज मुस्लिम महासभा की शाखाएँ देश के अनेक राज्यों में सक्रिय हैं जहाँ शिक्षा, भाईचारे और तरक्की का संदेश फैलाया जा रहा है।

### भविष्य की दिशा — तालीम से तरक्की तक

रेशमा सोलंकी साहिबा का अगला सपना है कि हर जिले में "तालीम केंद्र" खोले जाएँ, जहाँ बच्चों और युवाओं को आधुनिक शिक्षा, तकनीकी प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर दिए जा सकें। उनका मानना है कि शिक्षा और आत्मनिर्भरता ही सच्ची तरक्की की कुंजी है।

**समापन**

आज मोहतरमा रेशमा सोलंकी साहिबा केवल एक नाम नहीं, बल्कि एक आंदोलन हैं — एक ऐसा आंदोलन जो इल्म, एकता और इंसानियत के रास्ते पर समाज को आगे बढ़ा रहा है। उनका जीवन यह सिखाता है कि जब इरादा नेक हो और नीयत सच्ची, तो संघर्ष भी सफलता की सीढ़ी बन जाता है।

**संदेशः**

"एकता का राज चलेगा,
हिंदू-मुस्लिम साथ चलेगा।
आओ मिलकर इल्म को आम करें,
अपने मुल्क का दुनिया में नाम करें।"

## महिला दिवस पर साइकिल रैली, 200 साइकिल सवारों की भागीदारी

### महिला सुरक्षा, आत्मनिर्भरता, सम्मान, सशक्तिकरण का संदेश देती साइकिल रैली

▪ स्मार्ट हलचल

**कोटा**। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कोटा शहर में महिला सम्मान और सशक्तिकरण का संदेश देती साइकिल रैली का आयोजन किया गया। 'पेडल फॉर साइकिल' और 'कोटा ग्रीन कम्युनिटी' के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस रैली में शहर की अनेक महिला साइकिलिस्टों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर समाज को सकारात्मक संदेश दिया। आयोजक हेमंत छाबरिया और प्रणव राज सिंह खींची ने बताया कि रैली महावीर नगर से प्रारंभ होकर शहीद स्मारक, नयापुरा पर संपन्न हुई। लगभग 200 साइकिल सवारों ने इसमें भाग लिया। रैली के दौरान महिलाओं ने आत्मनिर्भरता, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए शहर की सड़कों पर साइकिल चलाई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नियति शर्मा उपस्थित रहीं। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में ऊषा बरदवा, आशिमा गोयल, प्रेम कंवर शक्तावत, ज्योत्सना खींची, नेहा शक्तावत, अचला त्रिपाठी, अंशु खंडेलवाल, श्वेता जैन, ममता शर्मा, गीतिका, वंदना, एकता कश्यप तथा डॉ. अर्चना मित्तल शामिल रहीं। इन सभी को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राजस्थान पुलिस की विशेष 'कालिका पेट्रोलिंग यूनिट' ने भी भागीदारी की। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नियति शर्मा ने बताया कि यह यूनिट महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों की रोकथाम के लिए गठित विशेष महिला सुरक्षा इकाई है, जो नीली वर्दी और काली स्कूटी के साथ शहर में तैनात रहती है।

उन्होंने बताया कि किसी भी आपात स्थिति में छात्राएं और महिलाएं 1090 (महिला हेल्पलाइन) या 112 पर कॉल कर तत्काल सहायता प्राप्त कर सकती हैं।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में समिति के सदस्य आशिमा गोयल, चंद्रेश शर्मा, रितेश जैन, रामावतार सुमन, कृष्णा पराशर, मनोहर द्विवेदी और पंकज शर्मा की विशेष भूमिका रही। अंत में आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों और अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन महिलाओं को समाज में आगे बढ़ने और अपनी पहचान स्थापित करने के लिए प्रेरित करते हैं।

## विशाल महिला सम्मेलन में जाने वाली बसों को संभाग प्रभारी बिश्नोई ने हरि झंडी दिखाकर रवाना किया

▪ स्मार्ट हलचल

**टोंक** / अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर हनुमानगढ़ में आयोजित होने वाले विशाल महिला सम्मेलन में भाग लेने हेतु नोखा बीकानेर क्षेत्र की हजारों महिलाओं की उपस्थिति में बसों को भारतीय जनता पार्टी के भरतपुर संभाग के प्रदेश प्रभारी एवं नोखा के पूर्व विधायक बिहारी लाल बिश्नोई ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मातृशक्ति में विशेष उत्साह देखने को मिला। महिला सशक्तिकरण को समर्पित इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए नोखा, बीकानेर से हजारो महिलाएं हनुमानगढ़ के लिए रवाना हुईं। जहां पर अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विशाल महासम्मेलन रखा गया है जिसमें राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे और प्रदेश व क्षेत्र के लिए नयी सौगातें देंगे

## यूजीसी नीतियों के विरोध में सर्व ब्राह्मण समाज का जलसत्याग्रह

▪ स्मार्ट हलचल

**कोटा**। सर्व ब्राह्मण समाज के नेतृत्व में यूजीसी की कथित दमनकारी नीतियों के विरोध में रविवार को जलसत्याग्रह कर विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान समाज के लोगों ने नारों के साथ अपनी आपत्ति दर्ज कराते हुए संबंधित प्रावधानों पर पुनर्विचार की मांग उठाई। जिलाध्यक्ष कौशल गौत्तम ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने प्रतीकात्मक रूप से अर्धनग्न होकर यूजीसी के विरोध में नारेबाजी की और अपनी नाराजगी जताई। समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि यूजीसी द्वारा लागू किए जा रहे कुछ प्रावधानों को लेकर सामान्य वर्ग में व्यापक असंतोष है। युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष विनोद गौत्तम ने कहा कि संबंधित प्रावधान सामान्य वर्ग के मौलिक अधिकारों—अनुच्छेद 14, 15(1) एवं 21—पर प्रभाव डाल सकते हैं। उनका मानना है कि ऐसे नियम समाज में जातिगत विभाजन की आशंका उत्पन्न कर सकते हैं और इससे सामाजिक संतुलन प्रभावित हो सकता है। उन्होंने इन नियमों पर व्यापक पुनर्विचार की आवश्यकता जताई। गौत्तम समाज का राष्ट्रीय महासचिव जितेंद्र गौत्तम ने समाज के विभिन्न वर्गों के लोग इस आंदोलन से जुड़े हैं और यह विरोध लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने का प्रयास है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष कौशल गौत्तम, गौत्तम समाज का राष्ट्रीय महासचिव जितेंद्र गौत्तम, चंद्रप्रकाश गौतम, सुशील गौतम, कुलदीप श्रृंगी, राजेश शर्मा, यश गौतम, मोहित गौतम, सौरभ शर्मा, रोनक शर्मा, अक्षत्र शर्मा, श्याम शर्मा, नरोत्तम शर्मा, महेश व्यास सहित समाज के कई लोग उपस्थित रहे।

## 6 माह के बच्चे को पहले ऊपर से फेंका, नीचे खड़े लोगों ने सुरक्षित पकड़ा

### गैस सिलेंडर में आग लगने से घबराई महिला ने छत से लगाई छलांग

▪ स्मार्ट हलचल

**विराटनगर** नगरपालिका क्षेत्र के भीमसेन चौक स्थित आवासीय परिसर में शीतला अष्टमी के भोजन बनाने के दौरान अचानक गैस सिलेंडर में आग लगने से हड़कंप मच गया। आग की लपटें देख घबराई महिला ने अपनी जान बचाने के लिए ऊपर से छलांग लगा दी। इससे पहले उसने अपने 6 माह के मासूम पोते को ऊपर से नीचे खड़े लोगों की ओर फेंक दिया, जहां मौजूद दादा व लोगों ने तुरंत पकड़कर सुरक्षित बचा लिया। अग्निशमन विभाग के लापरवाही देखने को मिला जहां बिना तैयारी के अग्निशमन की गाड़ियों ने पहुंचकर कैंपर की सहायता से आग पर काबू पाया मौके पर फायर ब्रिगेड में सीडी भी नहीं थी और कमी भी बिना ड्रेस के थे जिसका स्थानीय लोगों ने कड़ा विरोध जताया।जानकारी के अनुसार घर में शीतलाष्टमी के लिए व्यंजन बना रही थी। इसी दौरान अचानक गैस सिलेंडर में आग लग गई और देखते ही देखते आग की लपटें तेज हो गईं। आग देखकर महिला घबरा गई और अपनी जान बचाने के लिए स्थिति गंभीर देख महिला ने पहले अपने छह माह के पोते को नीचे खड़े लोगों की ओर फेंक दिया। जिसे दादा अभिनंदन जैन व आसपास मौजूद लोगों ने सतर्कता दिखाते हुए सुरक्षित पकड़ लिया। इसके बाद महिला ने भी ऊपर से छलांग लगा दी।

बताया जा रहा है कि महिला को चोटें आई हैं, जिसे उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। अग्निशमन कर्मियों व लोगों की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया।

### अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर अनोखी पहल

# छात्रा मन्नत गोयल बनी एक दिन की थाना अधिकारी

▪ स्मार्ट हलचल

**बारां /** अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला थाना बारां में एक प्रेरणादायक पहल देखने को मिली। महिला थाना अधिकारी आशासिह ने छात्राओं को पुलिस कार्यप्रणाली से अवगत कराने और उन्हें प्रेरित करने के उद्देश्य से एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम के तहत कक्षा 11वीं की छात्रा मन्नत गोयल को एक दिन के लिए महिला थाना बारां का थाना अधिकारी बनने का अवसर दिया गया।

इस दौरान छात्रा मन्नत गोयल ने महिला थाना बारां की कार्यप्रणाली को करीब से देखा और समझा। थाना अधिकारी आशा सिंह ने उन्हें थाने के विभिन्न विभागों का निरीक्षण करवाया तथा विस्तार से जानकारी दी। सबसे पहले उन्हें थाने में आने वाली शिकायतों और एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया के बारे में बताया गया कि किसी भी शिकायत को किस प्रकार दर्ज किया जाता है और आगे उसकी जांच किस तरह शुरू की जाती है। इसके बाद उन्हें महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र के बारे में जानकारी दी गई, जहां महिलाओं से जुड़ी समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुना जाता है और उन्हें उचित परामर्श तथा

सहायता दी जाती है। साथ ही उन्हें थाने के (अभिलेख कक्ष) के बारे में भी बताया गया, जहां विभिन्न दस्तावेज और रिकॉर्ड सुरक्षित रखे जाते हैं। थाना परिसर के कंप्यूटर कक्ष में मन्नत गोयल को विभिन्न फाइलों और रिकॉर्ड का निरीक्षण करवाया गया तथा बताया गया कि किस प्रकार पुलिस रिकॉर्ड को व्यवस्थित रखा जाता है और डिजिटल माध्यम से कार्यों को सुचारु रूप से संचालित किया जाता है। उन्हें विभिन्न फाइलों की जांच और अनुसंधान की प्रक्रिया के बारे में भी समझाया गया। इस दौरान थाना अधिकारी आशा सिंह ने उन्हें यह भी बताया कि किसी भी घटना के बाद मौके पर पहुंचकर किस प्रकार जांच की जाती है, साक्ष्य कैसे एकत्र किए जाते हैं और केस का निस्तारण किस प्रकार किया जाता है। साथ ही यह भी समझाया गया कि मुकदमा किस तरह दर्ज किया जाता है, उसकी जांच कैसे आगे बढ़ाई जाती है और कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद मुकदमे का निस्तारण या समापन किस प्रकार किया जाता है। इसके अलावा मन्नत गोयल को अनुसंधान अधिकारी कक्ष का भी निरीक्षण करवाया गया, जहां उन्हें बताया गया कि अनुसंधान अधिकारी किस प्रकार किसी मामले की गहन जांच करते हैं, गवाहों के बयान लेते हैं और कानून के अनुसार पूरी कार्यवाही को आगे बढ़ाते हैं। इस अवसर पर थाना अधिकारी आशा सिंह ने यह भी बताया कि एक थाना अधिकारी की क्या-क्या जिम्मेदारियां होती हैं और किस प्रकार पूरे थाने की व्यवस्था को संभाला जाता है। साथ ही उन्हें कानून और पुलिस प्रशासन से जुड़ी कई महत्वपूर्ण जानकारियां भी दी गईं।

उन्होंने बताया कि पुलिस किस तरह दिन-रात मेहनत कर समाज में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए कार्य करती है, यह उन्होंने आज नजदीक से देखा और समझा। मन्नत गोयल ने इस अवसर के लिए अपने विद्यालय स्ट. पॉल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल बारां तथा विशेष रूप से थाना अधिकारी आशा सिंह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस पहल से छात्राओं को आगे बढ़ने और समाज में अपनी भूमिका समझने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने जिले की सभी महिला पुलिसकर्मियों के समर्पण और मेहनत की सराहना करते हुए अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं दीं। महिला थाना बारां की यह पहल महिला सशक्तिकरण, जागरूकता और नई पीढ़ी को प्रेरित करने की दिशा में एक सराहनीय कदम साबित हुई।

### नई समिति का गठन

# गाडरी समाज की अहम बैठक, सामाजिक कुरीतियों पर हुई चर्चा

▪ स्मार्ट हलचल

**आकोला** /बड़लियास के निकट स्थित चंवरा हनुमानजी मंदिर परिसर में रविवार, 8 मार्च 2026 को धनघर गाडरी समाज आम चौखला की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक चली, जिसमें समाज के कई गणमान्य नागरिकों एवं समाजबंधुओं ने भाग लिया। बैठक में समाज में व्याप्त सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने तथा समाज में एकता और जागरूकता बढ़ाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही झरना महादेव सेवा समिति, कोटाज श्याम सेवा समिति एवं हरणी महादेव सेवा समिति द्वारा लिए गए निर्णयों का उपस्थित समाजबंधुओं ने सर्वसम्मति से समर्थन किया।

इस अवसर पर सिंगोली श्याम गाडरी समाज सेवा समिति (तहसील माण्डलगढ़–कोटड़ी, जिला भीलवाड़ा) का सर्वसम्मति से गठन किया गया। समिति में निम्न पदाधिकारियों का चयन किया गया—

**अध्यक्षः** महेन्द्र गाडरी (खटवाड़ा)
उपाध्यक्षःभंवरलालगाडरी(जीवाकाखेड़ा)
**सचिवः** भेरूलाल गाडरी (सुरास)
सहसचिवःशिवकुमारगाडरी(गेगाकाखेड़ा)
**कोषाध्यक्षः** सोहनगाडरी(खारोंकाखेड़ा)
**मंत्रीः** अजय गाडरी (बड़लियास)
**महामंत्रीः** शंकर गाडरी (हिंगोनिया)
**शिक्षा मंत्रीः** भंवर गाडरी (सुरास)
प्रकोष्ठ प्रभारीः विनोद गाडरी (बरूंदनी)
**सोशल मीडिया प्रभारीः**
रामलाल गाडरी (मुरलिया)
**संरक्षकः** रामेश्वरगाडरी (खारों का खेड़ा)

बैठक में समाज के वरिष्ठजनों ने नवगठित समिति को समाज हित में कार्य करने, शिक्षा को बढ़ावा देने तथा समाज में फैली कुरीतियों को समाप्त करने के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। सभी उपस्थित समाजबंधुओं ने समिति के गठन पर सहमति जताते हुए इसे समाज के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया।

# टोंक में पत्थरबाजी से तनाव-पुरानी टोंक इलाके में भारी पुलिस बल तैनात

▪ स्मार्ट हलचल

**– दो पक्षों के बीच विवाद के बाद हालात बिगड़े-7 लोग गिरफ्तार,**
**– स्थानीय लोगों में डर का माहौल-प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग**

**टोंक** । जिला मुख्यालय के पुरानी टोंक देशवाली मौहल्ला क्षेत्र में शुक्रवार देर रात दो पक्षों के बीच किसी बात को लेकर विवाद के बाद पत्थरबाजी की घटना से इलाके में तनाव का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रण में लिया। एहतियात के तौर पर क्षेत्र में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है और पुलिस प्रशासन ड्रोन से असामाजिक तत्वों पर निगरानी बनाए हुए हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान, महामंत्री प्रभु बाड़ोलिया और पार्षद मनीष सिसोदिया मौके पर पहुंचे और पीड़ित लोगों से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली। भाजपा नेताओं व क्षेत्र के लोगों ने प्रशासन से मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की। भाजपा जिलाध्यक्ष ने मीडिया से बातचीत में कहा कि समुदाय विशेष

के कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा शहर का माहौल खराब करने की कोशिश की गई है। उन्होंने प्रशासन से दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और इलाके में शांति व्यवस्था बनाए रखने की मांग की। हालांकि पुलिस ने कार्रवाई करते हुए शनिवार तक 7 लोगों को गिरफ्तार किया है और मामले की जांच जारी है। पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में पूरी तरह से शांति है और स्थिति नियंत्रण में है।

**क्या है पूरा मामला**

पुरानी टोंक के देशवाली मौहल्ला क्षेत्र में शुक्रवार देर रात दो पक्षों में विवाद हुआ। विवाद के बाद समुदाय विशेष के लोगों की ओर से दलित समाज पर पत्थरबाजी की घटना हुई। सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। इलाके में एहतियात के तौर पर पुलिस बल तैनात कर शांति व्यवस्था कायम हैं।

नेताओं और मौहल्लेवासियों की मांग

भाजपा नेताओं और मौहल्लेवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि पत्थरबाजी करने वाले सभी असामाजिक तत्वों की पहचान कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए और इलाके में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं।

# एसपी की समझाइस के बाद बनी सहमति, भुकरावली में रात 2 बजे हुआ मृतक युवक का अंतिम सस्कार

▪ स्मार्ट हलचल

**सूरौठ**। गांव भुकरावली में 4 मार्च को झगड़े में घायल हुए युवक रामवीर जाटव की जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में उपचार के दौरान मृत्यु होने के पश्चात शनिवार को 12 सूत्रीय मांगों को लेकर धरने पर बैठे जाटव समाज के लोगों एवं पुलिस प्रशासन के बीच शनिवार देर रात सहमति बनी। करौली जिला पुलिस अधीक्षक लोकेश सोनवाल की समझाइस के बाद ग्रामीण शव का दाह संस्कार करने के लिए राजी हुए। गांव भुकरावली में रात 2:00 बजे पुलिस की मौजूदगी में मृतक का अंतिम संस्कार किया गया। एसपी सोनवाल ने इस मामले में 10 आरोपियों की गिरफ्तारी पर दश- दश हजार रुपए का इनाम घोषित किया है। इस सम्बन्ध में बसपा जोन प्रभारी एडवोकेट अमर सिंह बंसीवाल एवं पार्टी नेताओं ने प्रशासन को ज्ञापन सौंप कर चेतावनी दी है कि यदि 15 मार्च तक 12 सूत्रीय मांगों को पूरा नहीं किया गया तो आंदोलन शुरू किया जाएगा।

4 मार्च को गांव भुकरावली में हूए झगड़े में युवक रामवीर जाटव गंभीर रूप से घायल हो गया था जिसे जयपुर के एसएमएस अस्पताल में भर्ती करवा गया था। उपचार के दौरान 6 मार्च को युवक रामवीर की मौत हो गई थी। पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद शव को एम्बुलेंस में रखकर शनिवार को दोपहर 12 बजे के करीब परिजन जब गांव भुकरावली पहुंचे तो बसपा के जोन प्रभारी अमर सिंह बंसीवाल सहित जाटव समाज के काफी लोग राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल के पास भुकरावली सूरौठ मार्ग पर धरने पर बैठ गए तथा विरोध प्रदर्शन किया। सूचना मिलने पर हिंडौन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सत्येंद्र पाल सिंह, एसडीएम हेमराज गुर्जर, डीएसपी मुनेश मीणा, सूरौठ तहसीलदार संजीव धाकड़, थाना प्रभारी सोहन सिंह गुर्जर सहित कई थानों की पुलिस गांव भुकरावली पहुंची तथा धरने पर बैठे लोगों से वार्ता की। लेकिन ग्रामीणों एवं प्रशासन में सहमति नहीं बनी। इसके पश्चात रात्रि को करौली एसपी लोकेश सोनवाल सूरौठ थाने पहुंचे। थाना परिसर में एसपी सोनवाल एवं जाटव समाज के लोगों के बीच वार्ता हुई। एसपी की समझाइस के बाद ग्रामीण शव के दाह संस्कार के लिए राजी हुए। सहमति के पश्चात रात 2:00 बजे पुलिस सुरक्षा में मृतक का अंतिम संस्कार किया गया। वार्ता के दौरान बसपा के जौन प्रभारी अमर सिंह बंसीवाल, जिला प्रभारी सुरेश चंद्र देवतवाल, पूर्व जिला प्रभारी संतोष कुमार जाटव, हरिओम गोगरिया आदि ने एसडीएम को ज्ञापन सौंप कर नामजद आरोपियों को अभिलंब गिरफ्तार करने, पीड़ित परिवार की आत्म सुरक्षा हेतु लाइसेंसी हथियार उपलब्ध करवाने, पीड़ितों की भूमि से अतिक्रमण हटवाने, पीड़ित परिवार को नौकरी देने एवं 50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने, अवैध शराब की दुकान को बंद करवाने, पीड़ित परिवार के लिए पास के शहर सूरौठ में आवास की व्यवस्था करवाने सहित 12 मांगों को शीघ्र ही पूरा करवाने की मांग की। मृतक युवक के दाह संस्कार के पश्चात एसपी लोकेश सोनवाल गांव भुकरावली पहुंचे तथा ग्रामीणों से बातचीत की।

# अखिल भारतीय दाधीच महिला प्रकोष्ठ भीलवाडा द्वारा फागोत्सव और शपथ ग्रहण का भव्य आयोजन

▪ स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा**। आजाद नगर स्थित माँ दधिमथी मंदिर के पावन परिसर में अखिल भारतवर्षीय दाहिमा दाधीच महिला प्रकोष्ठ द्वारा एक बहुआयामी सांस्कृतिक एवं सांगठनिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में फागोत्सव की धूम रही और संगठन की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह भी संपन्न हुआ। मीडिया प्रभारी दीपक शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत माँ दधिमथी के चरणों में दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। कार्यक्रम की मुख्यातिथियो में कल्पना शर्मा,आशा दाधीच,स्वेता दाधीच रहे। फागोत्सव के दौरान पूरा मंदिर परिसर होली के भजनों से गुंजायमान हो उठा। महिलाओं ने पारंपरिक फाग

गीतों पर जमकर नृत्य किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण राधा-कृष्ण के स्वरूप रहे, जिनके साथ उपस्थित महिलाओं ने फूलों की होली खेली और गुलाल लगाकर एक-दूसरे को पर्व की बधाई दी।सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ ही महिला प्रकोष्ठ की नई पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया।

अध्यक्षता सावित्री शर्मा ने सभी को महिला दिवस की शुभकामनाएं दी ओर बताया कि

कार्यक्रम की अध्यक्षता सावित्री दाधीच ने की। अपने संबोधन में उन्होंने महिलाओं को समाज में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने और संगठन की मजबूती के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया।

नवनियुक्त पदाधिकारियों ने समाज सेवा और महिला सशक्तिकरण का संकल्प लिया। महिला दिवस पर श्री मति देवकन्या त्रिपाठी,विमला शर्मा w/o कलाश्री(मरणोपरांत),आशा दाधीच का सम्मान किया गया। राधा कृष्ण सुमन दाधीच, ममता दाधिच बच्चो में राम और शिवि भी राधा कृष्ण बने भजन गायिका सुरभि दाधीच रही। इस अवसर श्रीमती मनोहर शर्मा, विमला पाटोदिया,दुर्गेश नंदिनी, दीपिका दाधीच, सुमन आचार्य,चंद्रकला शर्मा, मंजू, मधु,निर्मला जोशी,रेखा,अनु कुदाल, सरोज, अर्पिता, अंकिता, राजश्री, पुष्पा,तरुणा दाधीच,पूनम महादेवा, सेकड़ो महिलाएं उपस्थित रही ।

## थोड़ी सी सावधानी से डायबिटीज के मरीज भी ले सकते हैं होली का मजा

होली खाने-पीने और लोगों से मिलने-जुलने का मौका होता है. होली के दिन दोस्त-रिश्तेदार मिलते हैं, पार्टियों का दौर चलता है. लेकिन इन पार्टियों और बेवक्त खाने-पीने का बुरा असर उन लोगों के शरीर पर ज्यादा पड़ता है जो पहले से ही किसी शारीरिक समस्या से जूझ रहे हैं. त्योहारों के दौरान खान-पान में लापरवाही बरतने से डायबिटीज के मरीजों की परेशानी बढ़ जाती है. आज इस त्योहारी सीजन पर हम आपके साथ कुछ ऐसे टिप्स शेयर कर रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप पूरे जोश के साथ होली का मजा ले पाएंगे, वो भी बीमारी की चिंता किए बिना.

### होली के दौरान ब्लड शुगर लेवल को कैसे रखें कंट्रोल

विशेषज्ञों का कहना है कि होली के बाद बड़ी संख्या में लोगों का ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है. पिछले कुछ सालों के आंकड़ों पर गौर करें तो त्योहारी सीजन के दौरान 250 द्रद्द/स्ररुसे ऊपर ब्लड शुगर लेवल वाले लोगों के ब्लड शुगर लेवल में 15 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है, जबकि 300 द्रद्द/स्ररुसे ऊपर ब्लड शुगर लेवल वाले लोगों में 18 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है. इस होली पर डायबिटीज के मरीज अपने खान-पान पर थोड़ा कंट्रोल रखकर अपनी सेहत को बेहतर रख सकते हैं और त्योहार को भी उसी उत्साह और खुशी के साथ मना सकते हैं.

### थोड़ी-थोड़ी मात्रा में कई बार खाएं

अगर डायबिटीज के मरीज एक बार में बहुत सारा खाना खाने की बजाय थोड़े-थोड़े अंतराल पर थोड़ा-थोड़ा खाएं, तो वे अपने ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित कर सकते हैं. ऐसा करने से मरीजों के खून में शुगर लेवल सामान्य रहेगा और शरीर को पूरे पोषक तत्व भी मिलेंगे.

### फास्ट फूड की जगह पौष्टिक स्नैक्स खाएं

त्योहार की चहल-पहल और उत्साह में खाने-पीने से समझौता न करें. जितना हो सके फास्ट फूड से बचें और तले-भुने और मसालेदार खाने से दूरी बनाए रखें. साथ ही बिस्किट, समोसे, कचौड़ी और पकौड़े जैसी खाद्य सामग्री खाने से बचें. फास्ट फूड की जगह फल और हल्के भुने स्नैक्स खाएं.

### शराब और अन्य नशीले पदार्थों के सेवन से बचें

होली के त्योहार के मौके पर ज्यादातर लोग दोस्तों और रिश्तेदारों से मिलकर खुशी जाहिर करने के लिए शराब का सेवन करते हैं. शराब आपके ब्लड शुगर लेवल को बढ़ाती है. इसलिए जहां तक ??हो सके शराब या अन्य नशीले पदार्थों का सेवन करने से बचें और अपने रक्त में शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने का प्रयास करें.

### कोल्ड ड्रिंक्स से बचें

त्योहारों के दौरान कोल्ड ड्रिंक्स के सेवन से भी बचना चाहिए. कोल्ड ड्रिंक्स की जगह नारियल पानी या ग्रीन टी को प्राथमिकता देनी चाहिए.

### ब्राउन राइस खाएं

ज्यादातर लोग सफेद चावल खाना पसंद करते हैं. लेकिन डायबिटीज के रोगियों को सफेद चावल खाने से बचना चाहिए. दरअसल, सफेद चावल में ग्लाइसेमिक इंडेक्स अधिक होता है, जो रक्त शर्करा के स्तर को तेजी से बढ़ाता है. इसलिए सफेद चावल की जगह ब्राउन राइस या साबुत अनाज का सेवन करना चाहिए.

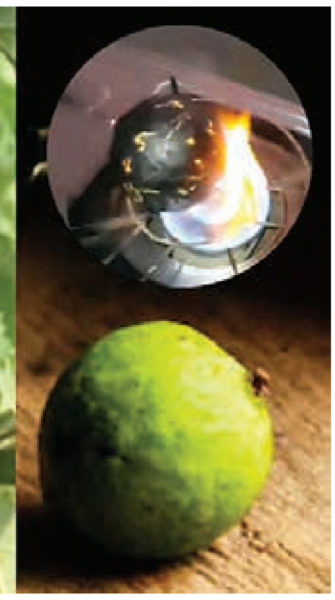

# भुने हुए अमरूद के लाभ जानकर हो जाएंगे हैरान

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए खान-पान पर विशेष ध्यान देना बेहद जरूरी होता है. अच्छी सेहत के लिए लोगों को आहार में पौष्टिक खाद्य पदार्थों को शामिल करना चाहिए, इसके साथ ही तरह-तरह के फल का भी सेवन करना चाहिए. अमरूद फल खाना हर किसी को पसंद होता है. स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी अमरूद काफी फायदेमंद होता है. अमरूद स्वास्थ्य को ठीक रखता है, इसमें पोषक तत्वों की प्रचुरता होती है. अमरूद में पर्याप्त मात्रा में विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन ए, विटामिन बी और विटामिन ई होते हैं. अमरूद को अधिकांश लोग ऐसे ही खाते हैं लेकिन यदि इसे रोस्ट कर खाया जाए तो और भी फायदेमंद होगा. इस खबर में प्रसिद्ध पोषण विशेषज्ञ डॉ. जानकी श्रीनाथ से के माध्यम से जाने भुने हुए अमरूद खाने के फायदे के बारे में...

### भुने हुए अमरूद खाने के फायदे

भुना हुआ अमरूद खाने में बहुत स्वादिष्ट होता है. यह सेहत के लिए भी अच्छा होता है. अमरूद पोषक तत्वों से भरपूर होता है. इसमें फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन ए, विटामिन सी, पोटैशियम, कॉपर और मैंगनीज जैसे पोषक तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं.

भुने हुए अमरूद में फाइबर होता है. यह पाचन तंत्र को मजबूत बनाने में मदद करता है. इसे खाने से पेट की समस्याओं जैसे गैस, एसिडिटी और अपच से राहत मिलती है. अमरूद में पर्याप्त मात्रा में विटामिन सी होता है. इसे भूनकर खाने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है. इससे शरीर में संक्रमण का खतरा टल जाता है.

भुने हुए अमरूद में ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है. यह ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद करता है. यह डायबिटीज रोगियों के लिए रामबाण है. भुने हुए अमरूद में पोटैशियम और मैग्नीशियम जैसे खनिज होते हैं।. ये दिल को स्वस्थ रखते हैं. इसे खाने से खराब कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित रहता है.

भुने हुए अमरूद खाने से कब्ज, गैस और पेट फूलने जैसी समस्याओं से राहत मिलती है. भुने हुए अमरूद में कैल्शियम और फास्फोरस होता है. ये हड्डियों के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं. इसे खाने से हड्डियां मजबूत होती हैं और जोड़ों के दर्द से राहत मिलती है.

भुने हुए अमरूद सर्दी-खांसी से राहत दिलाते हैं. अमरूद की तासीर आमतौर पर ठंडी होती है. ऐसे में भुने हुए अमरूद खाना सेहत के लिए अच्छा होता है. अमरूद में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं. ये रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का काम करते हैं. सर्दियों में भुने हुए अमरूद खाने से सर्दी-खांसी जैसी समस्याएं दूर रहती हैं.

अमरूद में पोटैशियम और मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं. ये दिल से जुड़ी समस्याओं को दूर करने में मदद करते हैं. दिल के मरीजों के लिए अमरूद खाना फायदेमंद होता है. एनर्जी से भरपूर अमरूद खाने से आपको एनर्जी मिलती है. इसमें भरपूर मात्रा में पोषक तत्व होते हैं. आप भुने हुए अमरूद की चाट बनाकर भी नाश्ते में खा सकते हैं.

भुने हुए अमरूद खाने से शरीर से कमजोरी और थकान दूर होती है. अगर आपको भूख कम लगती है तो भुने हुए अमरूद खाना बहुत फायदेमंद हो सकता है. भुने हुए अमरूद खाने से भूख बढ़ती है. वजन घटाने में अमरूद खाना फायदेमंद होता है. इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं. यह मेटाबॉलिज्म बढ़ाने और वजन कम करने में मदद करता है.

अमरूद में मौजूद विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट आपकी त्वचा के लिए फायदेमंद हो सकती है. इसके एंटीऑक्सीडेंट आपकी त्वचा को नुकसान से बचा सकते हैं, जो इसकी उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा कर सकता है, जिससे झुर्रियों को रोकने में मदद मिलती है.

## दो महीने तक खाली पेट नारियल पानी पीने से क्या होगा?

नारियल पानी शरीर के लिए जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होता है. इस पानी में मौजूद कुछ तत्व स्वस्थ पाचन को बढ़ावा देते हैं और पुरानी बीमारियों से बचाते हैं. हालांकि, क्या आपने कभी सोचा है कि अगर आप रोज सुबह 2 महीने तक खाली पेट नारियल पानी पीते हैं तो क्या होता है? खबर में जानें नियमित रूप से नारियल पानी पीने से शरीर में क्या बदलाव आते हैं.

### शरीर में आते हैं ये बदलाव

दरअसल, रोजाना नारियल पानी पीना बहुत फायदेमंद होता है. इस पानी में मौजूद कुछ तत्व स्वस्थ पाचन को बढ़ावा देते हैं और पुरानी बीमारियों से बचाते हैं. विशेषज्ञों का कहना है कि रोज सुबह खाली पेट नारियल पानी पीने से शरीर हाइड्रेट रहता है. यह शरीर में पानी की कमी को भी पूरा करता है.

रोज सुबह खाली पेट नारियल पानी पीने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी बढ़ती है. संक्रमण और मौसमी बीमारियों से बचाव होता है. जो लोग हमेशा मौसमी बीमारियों से परेशान रहते हैं उन्हें नियमित रूप से नारियल पानी पीने से फायदा होता है.

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि रोज सुबह नारियल पानी पीने से दिल से जुड़ी समस्याओं से राहत मिल सकती है. इसके कुछ गुण शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में अहम भूमिका निभाते हैं. यह दिल को मजबूत बनाने में भी मदद करता है.

नारियल के पानी में इलेक्ट्रोलाइट्स होते हैं. इनसे शरीर तरोताजा रहता है. संक्रमण से पीड़ित लोगों के लिए यह पानी पीना अच्छा रहता है. साथ ही बीपी, शुगर और दिल की बीमारियां भी कंट्रोल में रहती हैं. आपको बता दें, बढ़ते वजन को कम करने के लिए आपको रोजाना नारियल पानी पीना चाहिए. दिल को स्वस्थ रखने के लिए आपको रोजाना नारियल पानी पीना चाहिए. त्वचा को चमकदार और ग्लोइंग बनाने के लिए भी नारियल पानी उपयोगी है. अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए आपको नारियल पानी पीना चाहिए.

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआईएच) के अनुसार, नारियल पानी के कई स्वास्थ्य लाभ हैं, जिनमें शामिल हैं

नारियल पानी में पोटेशियम और मैग्नीशियम होता है, जो किडनी के कार्य, मांसपेशियों के संकुचन और रक्त शर्करा के नियमन में मदद करता है.

नारियल का पानी ग्लूकोज सहनशीलता को बेहतर बनाने और ब्लड शुगर लेवल को कम करने में मदद कर सकता है

नारियल का पानी रेटिना की मोटाई को बेहतर बनाने और सूजन को कम करने में मदद कर सकता है

नारियल के पानी का सिरका कैंसर से जुड़ी सूजन को रोकने और स्तन कैंसर कोशिकाओं की प्रगति में देरी करने में मदद कर सकता है

नारियल के पानी में रोगाणुरोधी पेप्टाइड्स होते हैं जो रोगजनक बैक्टीरिया से लड़ने में मदद कर सकते हैं

नारियल के पानी में कैटेचिन होते हैं, जिनमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं इलेक्ट्रोलाइट्स- नारियल पानी पोटेशियम, सोडियम और मैग्नीशियम जैसे इलेक्ट्रोलाइट्स का एक उत्कृष्ट स्रोत है. ये खनिज शरीर में द्रव संतुलन बनाए रखने में मदद करते हैं, जो जलयोजन के लिए आवश्यक है.

हाइड्रेशन- नारियल पानी हाइड्रेशन का एक प्राकृतिक स्रोत है, और यह पसीने के कारण खोए हुए तरल पदार्थ को भरने में मदद कर सकता है. यह शुगर युक्त या हाई कैलोरी वाले पेय का एक उत्कृष्ट विकल्प है, जो निर्जलीकरण में योगदान कर सकता है.

ठंडक प्रदान करने वाले गुण- नारियल पानी में प्राकृतिक शीतलन गुण होते हैं जो शरीर के तापमान को नियंत्रित करने और गर्मी के तनाव को कम करने में मदद कर सकते हैं.

# भोजन करते समय ऊपर से भूलकर भी ना करें नमक का सेवन

देश-दुनिया में लोग जाने-अनजाने में जरूरत से ज्यादा नमक सेवन करते हैं. कई लोग खाने के समय काफी मात्रा में अतिरिक्त नमक का सेवन करते हैं. मतलब निर्धारित मात्रा से अत्याधिक नमक सेवन करते हैं. इस कारण धीरे-धीरे हाई बीपी के अलावा कई गंभीर मेडिकल समस्या से ग्रसित हो जाते हैं. डिमेंशिया भी एक ऐसी ही समस्या है. डिमेंशिया से मस्तिष्क की तंत्रिका कोशिकाओं को गंभीर नुकसान पहुंचता है. डिमेंशिया से पीड़ित लोगों में सोचने, याद रखने और तर्क करने की क्षमता कम हो जाती है. जापान में यह समस्या काफी आम है. कभी-कभी, डिमेंशिया से पीड़ित लोग पागल भी हो सकते हैं.

चिकित्सा विज्ञान में डिमेंशिया को बीमारी नहीं माना जाता है. वर्तमान में, मस्तिष्क पर पड़ने वाले इसके प्रभाव को कम करने के लिए कोई संतोषजनक उपचार उपलब्ध नहीं है. या फिर डिमेंशिया को ठीक करने के लिए कोई दवा उपलब्ध नहीं है. दुनिया की बढ़ती आबादी के साथ, डिमेंशिया की रोकथाम और उपचार दवाओं की खोज महत्वपूर्ण है. चिकित्सा विशेषज्ञों का मानना ??है कि डिमेंशिया की समस्या के पीछे मुख्य कारण अत्यधिक मात्रा में टेबल नमक का सेवन है, जो एक सर्वव्यापी खाद्य योजक है. अधिक नमक (एचएस) का सेवन हाई ब्लड प्रेशर का कारण भी बन सकता है. प्रतिकूल स्वास्थ्य परिणामों को रोकने के लिए, विश्व स्वास्थ्य संगठन प्रति दिन 5 ग्राम से कम नमक का सेवन सीमित करने की सलाह देता है. विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, वयस्कों को प्रतिदिन 5 ग्राम से कम नमक का सेवन करना चाहिए. इसका मतलब है कि हृदय संबंधी बीमारियों को रोकने और स्वस्थ रक्तचाप बनाए रखने के लिए प्रतिदिन 2,000 मिलीग्राम से कम सोडियम का सेवन करना चाहिए.

अगर भारतीय प्रतिदिन 5 ग्राम से कम नमक खाने के विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक का पालन करें, तो वे 10 वर्षों में हृदय रोग (सीवीडी) और क्रोनिक किडनी रोग (सीकेडी) से होने वाली अनुमानित 300,000 मौतों को टाल सकते हैं। यह विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा किए गए एक मॉडलिंग अध्ययन का निष्कर्ष है. द लैंसेट पब्लिक हेल्थ में प्रकाशित अध्ययन में अनुपालन के पहले 10 वर्षों के भीतर पर्याप्त स्वास्थ्य लाभ और लागत बचत की भविष्यवाणी की गई है, जिसमें 1.7 मिलियन सी.वी.डी. घटनाओं (दिल के दौरे और स्ट्रोक) और 700,000 नए सी.के.डी. मामलों को रोकना शामिल है, साथ ही 800 मिलियन डॉलर की बचत भी शामिल है. वर्तमान में औसत भारतीय प्रतिदिन लगभग 11 ग्राम नमक का सेवन करता है, जो डब्ल्यू.एच.ओ. द्वारा अनुशंसित मात्रा (5 ग्राम/दिन नमक से कम) से दोगुना है.

शोध में क्या हुआ

एंजियोटेंसिन द्वद्व (एंग II) – एक हार्मोन जो ब्लड प्रेशर और द्रव संतुलन को रेगुलेट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और इसके रिसेप्टर %एटी1%, साथ ही शारीरिक रूप से महत्वपूर्ण लिपिड अणु प्रोस्टाग्लैंडीन ई2 और इसके रिसेप्टर %ईपी1% की हाई ब्लड प्रेशर और न्यूरोटॉक्सिसिटी में भागीदारी अच्छी तरह से पहचानी जाती है. हालांकि, हाई सॉल्ट मध्यस्थता वाले हाई ब्लड प्रेशर और भावनात्मक/संज्ञानात्मक हानि में इन प्रणालियों की भागीदारी अभी भी मायावी बनी हुई है.

इसके लिए, ब्रिटिश जर्नल ऑफ फार्माकोलॉजी में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन ने एचएस-मेडीटर और भावनात्मक/संज्ञानात्मक हानि के पहलुओं का गहन मूल्यांकन किया है. अध्ययन जापान के सहयोगी शोधकर्ताओं की एक टीम द्वारा किया गया था. क्रॉसस्टॉक द्वारा मध्यस्थता से भावनात्मक और संज्ञानात्मक शिथिलता का कारण बनता है.

फुजिता हेल्थ यूनिवर्सिटी के ग्रेजुएट स्कूल ऑफ हेल्थ साइंस के लेखक हसायोशी कुबोता ने टिप्पणी करते हुए कहा कि अत्यधिक नमक का सेवन हाई ब्लड प्रेशर, संज्ञानात्मक शिथिलता और मासिक स्वास्थ के लिए एक रिस्क फैक्टर्स माना जाता है. हालांकि, परिधीय और केंद्रीय तंत्रिका तंत्र के बीच बातचीत पर ध्यान केंद्रित करने वाले अध्ययनों ने पर्याप्त जांच नहीं की है.

# जिंदगी से जुड़ी फील्ड है एनवायरनमेंटल साइंस

**एनवायरनमेंटल साइंस ऊर्जा को बचाने, बायोडायवर्सिटी, क्लाइमेट चेंज, ग्राउंड वॉटर आदि के अध्ययन वाला विषय है. एकेडमिक तौर पर देखें तो एनवायरनमेंटल साइंस का दायरा काफी व्यापक है और इस कोर्स में अध्ययन के दौरान सिर्फ भौतिकी या बायोलॉजिकल साइंस का ही नहीं बल्कि इकोलॉ जी, भौतिकी, रसायन विज्ञान, बायोलॉजी और ज्योलॉजी का भी अध्ययन किया जाता है.**

पर्यावरण हमारी जिंदगी में अहम भूमिका निभाता है. चाहे बात खाने के अनाज की हो, रहने के लिए घर की हो, पहनने के लिए कपड़े की हो या फिर पानी, सूर्य की रोशनी, हवा की हो. सभी कुछ इसी पर्यावरण पर निर्भर करता है. इसलिए जब पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है तो उसका कहीं न कहीं प्रभाव हमारे जीवन पर पड़ता है. औद्योगिक विकास की रफ्तार ने पर्यावरण को लीलने का काम किया है. यही कारण है कि सभी का ध्यान इस ओर गया है. ऐसे में, एनवायरनमेंटल साइंस से जुड़े लोगों की मांग काफी बढ़ गई है. मूल रूप से एनवायरनमेंटल साइंस ऊर्जा को बचाने, बायोडायवर्सिटी, क्लाइमेट चेंज, ग्राउंड वॉटर आदि के अध्ययन वाला विषय है. एकेडमिक तौर पर देखें तो एनवायरनमेंटल साइंस का दायरा काफी व्यापक है और इस कोर्स में अध्ययन के दौरान सिर्फ भौतिकी या बायोलॉजिकल साइंस का ही नहीं बल्कि इकोलॉ जी, भौतिकी, रसायन विज्ञान, बायोलॉजी और ज्योलॉजी का भी अध्ययन किया जाता है.

एनवायरनमेंटल साइंस के अध्ययन की बात पहली बार 1977 में स्टॉकहोम में हुई कांफ्रेंस में सामने आई थी. औद्योगिक विकास की अंधी दौड़ में आज जिस तरह पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है, वह किसी से अछूता नहीं है. ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन से लेकर ग्लेशियर के पिघलने या फिर पर्यावरण प्रदूषण आदि का मामला सभी कुछ इसी से जुड़ा हुआ है. आज के दौर में सरकार से लेकर स्वयंसेवी संगठन तक सभी पर्यावरण को लेकर जागरूक हो रहे हैं. एनवायरनमेंटल साइंस से संबंधित कोर्स यानी ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट करने वाले छात्र कंस्ट्रक्शन, केमिकल, मैन्युफैक्चरिंग और एनर्जी के फील्ड में करियर बना सकते हैं. इसके अलावा और भी कई फील्ड हैं जहां इससे संबंधित डिग्री हासिल करने वाले छात्र करियर को नई मंजिल तक पहुंचा सकते हैं.

## एनवायरनमेंटल साइंटिस्ट

इससे जुड़े लोग वातावरण पर मनुष्यों द्वारा पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करते हैं. वे टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट को लेकर शोध करते हैं और एनवायरनमेंटली फ्रेंडली प्रैक्टिस को लेकर संबद्ध संस्थानों को सुझाव भी देते हैं.

## एनवायरनमेंटल इंजीनियर्स

इस फील्ड से जुड़े लोग वास्ट मैनेजमेंट, लीन मैन्युफैक्चर, रिसाइक्लिंग, इमिशन कंट्रोल, इनवायरेनमेंटल सस्टेनेबिलिटी और पब्लिक हेल्थ मामलों का अध्ययन करते हैं.

## एनवायरनमेंटल लॉबिस्ट

ये सरकारी अधिकारियों, नेताओं और संबंधित स्वयंसेवी संस्थानों को पर्यावरण मामलों और नीतियों की जानकारी देते हैं.

## एनवायरनमेंटल एजुकेटर

इससे जुड़े लोग एनवायरनमेंटल साइंस या फिर इससे संबंधित विषयों यानी इकोलॉजी या हाइड्रोलॉजी छात्रों को पढ़ाते हैं. इसके अलावा, एनवायरनमेंटल बायोलॉजिस्ट, एनवायरनमेंटल मॉडलर्स, एनवायरनमेंटल जर्नलिस्ट या पर्यावरण से संबंधित तकनीकविदों की तरह भी कार्य कर सकते हैं.

**वेतन** – एनवायरनमेंटल साइंस में बैचलर डिग्री करने वाले छात्रों को आसानी से 15–30 हजार रुपये मासिक की नौकरी मिल जाती है. जिन्होंने इस विषय में पोस्ट ग्रेजुएट किया है, उन्हें कम से कम 35–50 हजार रुपये मासिक तौर पर तो मिलते ही हैं. जो लोग पीएचडी करने के बाद बतौर साइंटिस्ट या कंसल्टेंट कार्य करते हैं, उनका वेतन शुरुआत में 50–75 हजार रुपये के बीच होता है.

**संस्थान** – अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, यूपी दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, दिल्ली डिपार्टमेंट ऑफ एनवायरनमेंटल बायोलॉजी, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली स्कू ल ऑफ एनवायरनमेंटल साइंसे ज, जेएनयू, नई दिल्ली पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, यूपी चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, यूपी गुरुकल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार, यूपी बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा, यूपी

# हस्तनिर्मित कागज उद्योग फलता-फूलता रोजगार

**भारत में हस्तनिर्मित कागज उद्योग का इतिहास बहुत पुराना है। मुगल काल से इसके प्रमाण मिलते हैं। यह उद्योग भारत के सामाजिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसमें सबसे खास बात यह है कि यह उद्योग अपशिष्ट पदार्थ को रिसाइकिलिंग प्रणाली द्वारा उच्चकोटि के कागज में तब्दील कर देता है। इसके अलावा, इसमें कम खर्च में अधिक लोगों को रोजगार दिया जाता है। असम, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश एवं नगालैंड जैसे राज्यों में हस्तनिर्मित कागज के उद्योग खूब फल फूल रहा है। जबकि भारत के ग्रामीण क्षेत्रों के लगभग 10-15 हजार लोग इस व्यवसाय से जुड़े हुए हैं।**

### शैक्षिक योग्यता की दरकार

इस रोजगार को प्रारंभ करने से पहले यदि आप प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते हैं तो आपको दसवीं की परीक्षा उत्तीर्ण होना बहुत जरूरी है। प्रशिक्षण के पश्चात आप विशेष योग्यता से लैस हो जाएंगे, बल्कि रोजगार से संबंधित बारीकियां भी आपको मालूम हो सकेंगी। यदि आपके पास इस व्यवसाय से संबंधित जानकारी पहले से ही मौजूद है तो पांचवीं की डिग्री भी महत्वपूर्ण है यानी आपको सिर्फ साक्षर होना आवश्यक है। उम्र–सीमा 18 वर्ष से कम न हो।

### संबंधित पाठ्यक्रम

इसमें मुख्यत- हैंडमेड पेपर में सर्टिफिकेट कोर्स (एक से दो सप्ताह), पेपर कंजरवेशन कोर्स (दो माह), इंटरप्रिन्योरशिप कोर्स (दो माह) तथा हैंडमेड पेपर में एडवांस कोर्स (एक वर्ष) आदि शामिल हैं।

### फीस एवं प्रशिक्षण अवधि

यदि आप प्रशिक्षण खादी ग्राम उद्योग कमीशन (केवीआईसी) से प्राप्त करते हैं तो आपको सिर्फ 200 रुपए मामूली फीस में प्रशिक्षण मिल सकता है। जबकि प्रशिक्षण अवधि 2–3 हफ्तों की होती है। इस दौरान प्रशिक्षु को अपशिष्ट पदार्थों को रिसाइकिल कर आकर्षक कागज में परिवर्तित करने की कला सिखा दी जाती है। रिसाइकिलिंग में टेलर कटिंग, होजरी कटिंग तथा छोटे–छोटे टुकड़ों के सहारे उच्चकोटि के उपयोगी पेपर तैयार किए जाते हैं।

### खर्च एवं सुविधा

हस्त निर्मित कागज उद्योग का यूनिट लगाने में कम से कम 40–70 हजार रुपए की लागत आती है। प्रारंभ में यह जरूरी है कि यूनिट छोटी ही लगाई जाए। बाद में सफल होने तथा डिमांड अधिक होने पर यूनिट की क्षमता इच्छानुसार बढ़ा सकते हैं। इस रोजगार के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय ने किसी भी व्यक्ति को प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन के लिए अधिकतम 25 लाख रुपए तक के ऋण का प्रबंध किया है। इसके साथ ही महिलाओं, अनुसूचित जातियों, जनजातियों और पिछड़े वर्ग के विकलांगों को दिए गए कर्ज में 30 फीसदी की सब्सिडी मिलती है।

### प्रशिक्षण दिलाने वाले संस्थान

ऐसे कई संस्थान हैं जो अपने यहां से हस्तनिर्मित कागज से जुड़ा प्रशिक्षण दिलाते हैं–

- खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (गांधी दर्शन), राजघाट, नई दिल्ली–110002 (संस्थान का पूरे भारत में कई जगह प्रशिक्षण केंद्र मौजूद)
- डॉ राजेन्द्र प्रसाद मल्टी डिस्प्लीनरी ट्रेनिंग सेंटर, खादी एवं विलेज इंडस्ट्रीज कमीशन, शेखपुरा, पटना–14
- कुमारप्पा नेशनल हैंडमेड पेपर इंस्टीटच्यूट, सांगानेर, राजस्थान–302022

# टूरिज्म गाइड, मेहनती युवाओं के लिए बढ़िया करियर ऑपशन

पर्यटन आज सांस्कृतिक पहचान पुख्ता करने के साथ रेवेन्यू अर्जित करने का भी जरिया बन रहा है. ऐसे में स्थानीय सरकारें देश में पर्यटन को बढ़ावा देने की पुरजोर कोशिश कर रही हैं. भारतीय गांवों की सैर विदेशी पर्यटकों के लिए किसी रोमांच से कम नहीं है. यहां के घर, बच्चों के खेल, महिलाओं का ओढना–पहनना, खेत–खलिहान, दैनिक गतिविधियां, अर्थव्यवस्था आदि उन्हें इतने आकर्षित करते हैं कि पर्यटक महीनों यहां डेरा डाले रहते हैं.

**टूरिस्ट गाइड का कार्य**

किसी भी देश की सामाजिक, सांस्कृतिक परंपराओं से पर्यटकों को अवगत कराने में टूरिस्ट गाइड की भूमिका महत्वपूर्ण होती है. टूरिस्ट गाइड पर्यटकों के साथ रहकर उन्हें जाने–अनजाने और अनछुए पहलुओं से वाकिफ कराते हैं. यही वो कारण है जिसके चलते आज टूरिस्ट गाइड एक आकर्षक कॅरियर विकल्प के तौर पर अपनी जगह बना चुका है. संबंधित देश के टूरिस्ट गाइड राज्य क्षेत्र की भौगोलिक जानकारी के साथ–साथ सांस्कृतिक, ऐतिहासिक पर्यटन संबंधी जानकारी रखने के साथ ट्रेवल एजेंसी और बड़े–बड़े होटलों की जानकारी रखते हैं. देश में टूरिस्ट गाइड के लिए भारतीय पर्यटन और ट्रेवल विभाग से टूरिस्ट गाइड का लाइसेंस लेना होता है. लाइसेंस प्राप्त करने के लिए परीक्षा उत्तीर्ण करनी पड़ती है.

**कोर्स और क्वालिफिकेशन** – देश के अलग–अलग संस्थान टूरिज्म ट्रैवल एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट में शॉर्ट टर्म डिप्लोमा कोर्स संचालित करते हैं, जिसमें इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रैवल एंड टूरिज्म (आईआईटीएम) सबसे खास है, तो वहीं संबंधित राज्य व केंद्र सरकारों के पर्यटन विभाग भी टूरिस्ट गाइड ट्रेनिंग कोर्स आयोजित करते हैं. जिन्हें पास करने पर आपको सर्टीफाइड गाइड का लाइसेंस मिलता है. टूरिज्म के क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के लिए जरूरी है कि वे इस क्षेत्र में औपचारिक शिक्षा भी ग्रहण करें. देश में विभिन्न संस्थान एवं विश्वविद्यालय टूरिज्म में डिप्लोमा, बैचलर डिग्री एवं मास्टर्स डिग्री प्रदान करते हैं. डिप्लोमा कोर्स की अवधि अमूमन एक वर्ष होती है, जिसे ग्रेजुएशन के बाद किया जा सकता है. आईसीसीआर इस क्षेत्र में जूनियर फेलोशिप भी प्रदान करता है.

**कॅरियर ऑप्शन** – स्थानीय पर्यटन उद्योग, राष्ट्रीय पर्यटन उद्योग, होटल इंडस्ट्री, टैवल एजेंसी, एविएशन, कार्गो ऑपरेशन, हॉस्पिटेलिटी आदि में टूरिस्ट गाइड के लिए अवसर बाट जोह रहे हैं. टूरिज्म उद्योग के विस्तार से टूरिस्ट गाइड का स्कोप बढ़ा है. मेहनती, कुशल और ईमानदार युवा चाहें तो भारत की संपन्न विरासत से अपने लिए समृद्ध भविष्य की राह खोज सकते हैं. भारत सरकार भी अब ग्रामीण पर्यटन को बढावा देने के लिए कदम उठा रही है. पर्यटन मंत्रालय के अनुसार पिछले वर्ष देश भर में 66 लाख विदेशी सैलानी आए, जिनसे करीब 17.75 अरब डॉलर की कमाई हुई. मंत्रालय ने प्रत्येक वर्ष इनकी संख्या में 12 फीसदी बढोत्तरी का लक्ष्य रखा है ताकि वर्ष 2016 तक पर्यटन से विदेशी मुद्रा की कमाई दोगुनी की जा सके. स्किल्ड युवाओं के लिए इस फील्ड में संभावनाओं के असीमित द्वार हैं.

# क्यों जरूरी है अपनी स्किल्स में इजाफा करना?

**आप करियर के उस मुकाम पर खड़े हैं, जहां सोचते हैं कि अगले दस सालों में आप क्या करने जा रहे हैं? क्या कभी इस बात का भी अफसोस होता है कि आपने पढ़ाई के दौरान अलग-अलग विषयों का चुनाव क्यों नहीं किया, ताकि कुछ और पढ़ने या किसी दूसरी दिशा में करियर बनाने के बारे में सोच पाते? यदि इन प्रश्नों का उत्तर हां है तो यह समय है अपने पास मौजूद विकल्पों पर गंभीरता से विचार करने का। खुद की स्किल्स में निवेश करके अपने आप को आगे बढ़ाने का, री-स्किलिंग का।**

### क्या है स्किल्स में इजाफा करना?

शब्दकोष में री–स्किलिंग का अर्थ होगा, वह प्रशिक्षण और अनुभव, जिसके जरिए नई और बेहतर स्किल्स की जानकारी मिलती है। करियर में किसी उम्मीदवार में नई स्किल्स हासिल करने, सीखने और खुद को बदलने की क्षमता और इच्छा का होना बेहद अहम गुण माना जाता है। यह दूरदर्शिता होना कि करियर को आगे ले जाने के लिए किन स्किल्स की जरूरत होगी और उस दिशा में कदम बढ़ाना किसी उम्मीदवार के करियर को आगे ले जाने में मदद करता है। आईआईएम–बेंगलुरु में चाइनीज बिजनेस लैंग्वेज कोर्स पढ़ाने वाले प्रो. एस स्वामीनाथन कहते हैं, 'अपनी स्किल्स में इजाफा करने का अर्थ सक्रिय होकर केवल नई स्किल सीखना भर नहीं है। यह नौकरी से ब्रेक लेकर उच्च शिक्षा की ओर कदम बढ़ाना भी हो सकता है। उदाहरण के लिए कई आईआईएम केंद्रों में मंडारिन एक लोकप्रिय लैंग्वेज कोर्स बन कर उभरा है। वर्तमान में भारत–चीन एक–दूसरे से व्यापारिक रिश्तों को नकार नहीं सकते। विश्व अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण स्थान हासिल करने के लिए इस दिशा में कदम बढ़ाना जरूरी भी होगा। ऐसे में चाइनीज बिजनेस कोर्स की मदद से विद्यार्थी दोनों देशों में बन रहे आर्थिक समीकरणों में अपनी सकारात्मक भूमिका निभा सकते हैं।'

कॉलेज के दौरान लिए गए विषय निश्चित तौर पर पसंदीदा जॉब हासिल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, पर ऐसे भी मामले मिलते हैं, जहां लोग संयोगवश दूसरे क्षेत्रों में करियर बना बैठते हैं या फिर अपने करियर के दौरान ऐसे फंस जाते हैं, जहां उनके लिए समझना मुश्किल हो जाता है कि अब वे किस ओर कदम बढ़ाएं। दो से तीन वर्ष नौकरी कर चुकने वाले विशेषज्ञता प्राप्त उम्मीदवार और बड़े अधिकारी भी यह मानते हैं कि बदलावों से गुरेज करना और अपनी स्किल्स को बढ़ाने का प्रयास न करना एक स्तर पर आकर उम्मीदवार की प्रगति को बाधित कर देता है। जिस तेजी से कार्यस्थल और उनकी नीतियां बदल रही हैं, यह पहले से भी जरूरी हो गया है कि उम्मीदवार खुद को उपयोगी बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए। थोलोंस ग्लोबल इंस्टीट्यूट में एमडी अंकिता वशिष्ठ के अनुसार, 'जॉब मार्केट में खुद को रोजगार योग्य और उपयोगी बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है। वर्कप्लेस पर बढ़ती विविधता और नित बदलती तकनीक ने कर्मचारियों पर नई तकनीक और कार्य प्रणाली को सीखने का दबाव बनाया है। उदाहरण के लिए, यदि कोई नई तकनीक मसलन बिग डाटा और एनालिटिक्स में करियर बनाना चाहता है तो उसके लिए स्टैटिस्टिक्स में क्रैश कोर्स करना फायदेमंद हो सकता है।

एक परंपरागत मार्केटिंग व्यक्ति के लिए डिजिटल मार्केटिंग में अनुभव बढ़ाना लाभप्रद रहेगा। इसी तरह अन्य उम्मीदवार खुद को किसी ऑनलाइन कोर्स या डेवलमेंट प्रोग्राम से भी जोड़ सकते हैं।' ग्लोबल रिक्रूटमेंट फर्म केली सर्विसेज के हालिया अध्ययन के अनुसार विश्व परिदृश्य की तुलना में एशिया–प्रशांत क्षेत्र में बड़े स्तर पर कर्मचारी तेजी से उभरते बाजार में अपनी स्किल्स में इजाफा करने की इच्छा जता रहे हैं। 69% भारतीय कर्मचारी आगे बढ़ने के लिए उच्च शिक्षा और प्रशिक्षण हासिल करने के बारे में गंभीरता से सोच रहे हैं। यह संख्या यूरोप और अमेरिका की तुलना में अधिक है। पहले बैंकों में नौकरी में उन्हीं लोगों को रखा जाता था, जो पहले बैंक में नौकरी करते रहे हैं। इसी तरह एफएमसीजी कंपनियां भी इसी क्षेत्र के अनुभव को वरीयता देती थीं। पर वह समय बीत गया है। आज कंपनियां विविध क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखने वालों को रखना पसंद करती हैं। यानी गतिशील बाजार में खुद को रोजगार योग्य बनाने व उच्च पदों को कुशलता से संभालने के लिए प्रशिक्षण हासिल करने की जरूरत होगी ही।'

**रोचक तथ्य** – 57 प्रतिशत प्रतिभागियों ने अपने वर्तमान नियोक्ता के पास ही पदोन्नति को ध्यान में रखते हुए अपनी स्किल्स में इजाफा करने की इच्छा जतायी। वहीं 47 प्रतिशत के अनुसार वे दूसरी कंपनी में जाने के लिए अपनी स्किल्स में इजाफा करना पसंद करेंगे।

70 प्रतिशत के अनुसार सबसे महत्वपूर्ण और उपयोगी स्किल नौकरी करते हुए हासिल की जा सकती है। उसके बाद 58 प्रतिशत ने शिक्षा और प्रशिक्षण को जरूरी बताया है। 26 प्रतिशत के अनुसार सेमिनार और वेबिनार से भी नई स्किल सीखने में मदद मिलती है। 42 प्रतिशत के अनुसार वे किसी नए कार्यक्षेत्र में जाने के लिए अपनी स्किल्स में इजाफा करना पसंद करेंगे। इन सब में गणित, इंजीनियरिंग और आईटी कर्मियों ने खुद को आगे बढ़ाने के लिए री–स्किलिंग को अन्य की अपेक्षा अधिक महत्व दिया है। 31 देशों से लगभग 1 लाख 20 हजार कर्मियों ने इस सर्वे में भाग लिया। अमेरिका में उम्मीदवारों ने प्रमोशन हासिल करने के लिए प्रशिक्षण हासिल करने की जरूरत जतायी। वहीं कुछ देशों में कर्मियों ने प्रमोशन पाने और नए नियोक्ता के यहां नौकरी पाने के लिए री स्किलिंग को जरूरी बताया।